डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 264 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 08 जुलाई 2024 | मूल्य 2 रुपया

बस की टक्कर से बाईक सवार की मौत

भानपुरा, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नगर के लेदी चौराहा पर रविवार को तेज रफ्तार यात्री बस ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक राजस्थान के झालावाड़ का रहने वाला था, जो भानपुरा किसी काम से आया था।

मिली जानकारी के मुताबिक घटना दोपहर करीब 12.30 बजे की है, जहां सरोज बस सर्विस नाम की निजी यात्री बस क्रमांक एमपी 14 जेडबी 7855 ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक चालक पवन पिता राजू माली निवासी झालावाड़ राजस्थान की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को भानपुरा के स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया है। मृतक के परिजनों को सूचना दी गई। उनके आने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनो के सुपुर्द किया गया। मामले में पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम जांच शुरु की है। प्रकरण में बस ड्रायवर के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया जाएगा।

मछली ठेके पर कार्यरत चौकीदारों को पीटा, 5 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मछली पालन ठेके पर कार्यरत चौकीदारों के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया। सिंदपन निवासी महेन्द्रसिंह ने मल्हारगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि कनघट्टी गाडगिल सागर डेम पर मछली पालन ठेके पर चोकीदार का कार्य करता हूं, शनिवार को शाम जगदीश, ईश्वर, भंवरलाल, चतरमल व राधेश्याम बावरी अवैध तरीके से जाल डालकर मछली पकड रहे थे। मैंने व मेरे साथ चोकीदार चोथखेड़ी निवासी पन्नालाल गायरी ने मछली पकड़ने से मना किया तो पांचों आरोपियों ने गाली-गलौज की व लात-घुसों से मारपीट की। पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

जैल में बंद 45 प्रतिशत कैदी मादक पदार्थों के तस्कर?

नीत नए तरीके अपना रहे तस्कर, पुलिस-नारकोटिक्स भी हो जाती है कन्फ्यूज

मंदसौर, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्यालय पर स्थित जिला जैल में करीब 45 फीसद कैदी तस्करी के आरोप में बंद है। मतलब करीब 600 कैदियो में से लगभग 280 एनडीपीएस एक्ट के हैं। यहीं हालत नीमच की कनावटी जैल की है। वहां पांच सौ में से लगभग 270 कैदी एनडीपीएस एक्ट के है तो जावद उपजैल में 170 में से 90 एनडीपीएस एक्ट के कैदी है। दिन प्रतिदिन इनकी संख्या भी बढ़ रही है। पुलिस और नारकोटिक्स के लिए सबसे बड़ी परेशानी तस्करों द्वारा अपनाए जा रहे अलग-अलग तरीके से हो रहे हैं। मुखबीर तंत्र जरुर पुलिस-नारकोटिक्स का मजबूत माना जा सकता है। लेकिन, तस्करी के बार-बार बदलते तरीके लगातार कन्फ्युज कर रहे हैं। हालांकि कई ऐसी कार्रवाई पुलिस ने की है, जिसमें सोचा भी नहीं जा सकता था कि इस वाहन के इस हिस्से में मादक पदार्थ हो सकता है।

महंगे वाहनों में तस्करी...

कई थानों में तस्करी में पकड़े महंगे वाहन भी है। लगातार कार्रवाई के बाद वाहनों को रखने के लिए थानों में जगह बनाना मुश्किल होता है। पुलिस वालों को हर तीन से छह महीने में यह एक्सरसाइज करना पड़ती है। क्योंकि, आए दिन अफीम या उसके सह उत्पादो की तस्करी के चक्कर में यहां वाहन जब्त होते रहते हैं। इन वाहनों में लाखों रुपए की लग्जरी कारे भी शामिल हैं। तस्कर महंगी एसयूवी खरीदते हैं, ताकि पुलिस को शक न हो। ऐसी कई गाड़िया पुलिस जब्त कर चुकी है। तस्कर पुलिस को चकमा देने के लिए वाहनों को मोडिफाई कर उसमें अफीम छिपाते हैं।

राजस्थान से सटे मंदसौर-नीमच जिले में तस्कर हुए होशियार

तत्कालीन विधायक ने उठाया था मुद्दा...

13 जनवरी 2018 को नारायणगढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक एंबुलेंस से अफीम बरामद की थी। तब मंदसौर से तत्कालीन भाजपा विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने विधानसभा में इस मामले को उठाते हुए कहा था कि रतलाम, मंदसौर और नीमच जिले में एंबुलेंस से मादक पदार्थों की तस्करी हो रही है। इसके बाद यहां एंबुलेंस पर निगरानी बढ़ाई गई। हर एंबुलेंस की पड़ताल हुइ थी।

2015 के बाद डोडा चूरा भी प्रतिबंधित...

वर्ष 2015 से पहले तक डोडा चूरा भी किसानों से सरकारी स्तर पर खरीदा जाता था। वर्ष 2015 में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया। लेकिन, किसानों से तस्कर इस डोडा चूरा को 2 हजार रुपए किलो में खरीदते हैं। प्रतिबंध से पहले तक गुजरात में 28 हजार लोगों को डोडा चूरा पीने का लाइसेंस मिला हुआ था। अचानक प्रतिबंध जरूर लग गया। लेकिन, इसकी डिमांड कायम है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में इसकी डिमांड बनी हुई है। तस्कर इसी डिमांड को महंगे दामों पर पूरा करते हैं।

डोडा चूरा की तस्करी पर 10 से 20 साल की सजा...

डोडा चूरा भी नारकोटिक्स एक्ट के दायरे में आता है। यानी डोडा चूरा की तस्करी पर भी 10 से 20 साल तक की सजा का प्रावधान है। एक वरिष्ठ पुलिस अफसर कहते हैं कि डोडा चूरा का ठेका 2011 में 20 लाख रुपए का था। 2012 में 40 लाख और 2016 में वही ठेका 4 करोड़ रुपए में नीलाम हुआ था। इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि इसकी कितनी डिमांड मार्केट में थी। प्रतिबंधित होने के बाद अब इसकी कीमतें और बढ़ गई हैं।

डोडा चूरा से भरी एंबुलेंस में आग, 3 की मौत...

नीमच-महू-नसीराबाद हाईवे पर नयागांव के कुछ पहले 31 मार्च 2015 को रात 3 बजे एक एंबुलेंस में आग लग गई। एंबुलेंस में सवार 3 लोग जिंदा जल गए थे। एंबुलेंस में साबुत डोडे भरे थे और तस्करी के लिए उसकी स्पीड भी ज्यादा थी। अचानक गलत दिशा से कार से भरा कंटेनर आ गया और दोनों वाहनों में भिड़ंत हो गई। इस वजह से कंटेनर में भरी 8 नई कारें भी जलकर राख हो गई थी। पुलिस ने डोडा मिलने के आधार पर तीनों मृतकों के खिलाफ भी तस्करी का मामला दर्ज किया था।

पुलिस से बचने नई कारों में भी होती है तस्करी...

2019 में इंदौर-नीमच हाईवे पर नामली थाना क्षेत्र के भदवासा फंटे के पास पुलिस ने एक नई गाड़ी को रोका। इस कार में 45 किलो डोडाचूरा पाया गया। इस पर आरोपित सोनू उर्फ राहुल को गिरफ्तार कर डोडाचूरा व कार जब्त की गई थी।

कुछ तरीके ऐसे भी आए सामने...

28 अगस्त 22 को मंदसौर के सीतामऊथाने में पुलिस ने तीन क्विंटल डोडाचूरा बरामद किया। पुलिस ने बगैर नंबर के ट्रैक्टर-टैंकर को रोककर तलाशी ली, तो टैंकर के अंदर पार्टिशन मिला। जिसके एक हिस्से में 3 क्विंटल डोडाचूरा मिला। मौके से टैंकर की पायलेटिंग कर रही एक बगैर नंबर की पिकअप भी जब्त की गई।

पिकअप में बनवाते हैं गुप्त तहखाना...

5 सितंबर 22 को मंदसौर के नई आबादी थाने के मेनपुरिया फंटे पर पिकअप को पुलिस ने रोकने की कोशिश की। गाड़ी नहीं रुकी तो पुलिस ने पीछा करते हुए उसे सर्किट हाउस के पास पकड़ा था। जांच की तो पता चला कि पिकअप के एक हिस्से में गुप्त तहखाना बनाया गया है। उसे खोला तो 2 क्विंटल 46 किलो डोडा चूरा मिला था।

पेट्रोल टैंक में भी छुपाकर रखी अफीम...

22 अप्रैल 22 को पिपलियामंडी थाना पुलिस ने कार के पेट्रोल टैंक में छिपाकर ले जाई जा रही 15 किलो अफीम जब्त की थी। जिसकी कीमत करीब 22 लाख रुपए थी। पहले तो तलाशी में कुछ नहीं मिला। लेकिन जब आरोपियों से सख्ती से पूछताछ हुई तो उन्होंने ही बताया कि पेट्रोल टैंकर में ही अलग चैंबर बनाकर उन्होंने 15 किलो अफीम रखी हुई है।

नाहरगढ़ क्षेत्र में कानून व्यवस्था ध्वस्त, लूटेरे सक्रिय

विगत दिनों खेत से पैदल घर जा रही महिला के गले से बदमाशों ने मंगलसूत्र लूटा, पुलिस गिरफ्त से दूर बदमाश

राजू सोनी

नाहरगढ़, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नाहरगढ़ थाना क्षेत्र में इन दिनो कानून व्यस्था ध्वस्त होती दिख रही है। यहां लूटेरे सक्रिय है और पुलिस सुस्त नजर आ रही है। विगत दिनो खेत से घर जा रही एक महिला के गले से मंगलसूत्र छीनने वाले बाईक सवार बदमाशो का पता भी पुलिस नहीं लगा सकी है। जबकि, मामले में केवल आवेदन लेकर महिला को टरका दिया गया था।

बता दें कि बीती 01 जुलाई को नाहरगढ़ निवासी महिला रामकुंवर पति श्यामसुंदर धाकड़ शाम करीब 05.30 बजे अपने खेत से घर जा रही थी। इसी बीच बाईक पर आए बदमाशो ने उसके गले से मंगल सूत्र खींचकर सनसनी फैला दी थी। बाईक सवार बदमाश भी सुनसान रास्ते का फायदा उठाकर भाग निकला। लेकिन, सात दिन बीतने के बाद भी पुलिस चेन स्नेचर बदमाश को नहीं तलाश पाई। मामले में पीड़िता की शिकायत पर केवल एक आवेदन लेकर कर्तव्य की इति श्री कर ली गई।

इस वारदात के बाद से गांव की महिलाओं में जबरदस्त आक्रोश हैं। नाहरगढ़ नगर सहित थाना क्षेत्र के चौपालो पर इस घटना की चर्चा चारों तरफ हो रही है। नाहरगढ टीआई श्री आरसी डांगी जब से आए हैं। कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट दिखाई दे रही है। नाहरगढ़ टीआई की सुस्ती ही इसका कारण है। क्योंकि, किसी भी तरह का कोई भी मामला हो, कभी भी नाहरगढ टीआई में फुर्ती नहीं दिखाई देती है। देखना होगा कि नाहरगढ़ थाना पुलिस मंगल सूत्र लूटेरे बदमाशो का कब तक पता लगाकर अपनी सुस्ती दूर करती है।

मंडी गेट के यहां पाईप लाईन फूट रही है जिससे हजारों गैलेन पानी व्यर्थ में बह रहा है।

बड़े अस्पतालों के बाद सीएचसी और सिविल अस्पतालों को पीपीपी मोड पर देने की तैयारी

भोपाल, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के पांच जिला अस्पतालों अर्थात बड़े अस्पतालो को पीपीपी मोड पर देने के सरकार के निर्णय के बाद अब कुछ सिविल अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को भी पीपीपी मोड पर देने की तैयारी है। स्वास्थ्य संचालनालय इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर रहा है। शीघ्र ही इसे स्वीकृति के लिए कैबिनेट में लाया जाएगा। बड़े अस्पतालों की तरह इन स्वास्थ्य संस्थाओं में भी निजी निवेशक 25 प्रतिशत बिस्तर प्राइवेट रख सकेगा। सुविधाएं बढ़ाकर निवेशक इन बिस्तरों में भर्ती रोगियों से निर्धारित शुल्क वसूल सकेगा।

बतादें कि जबलपुर, भोपाल और इंदौर में कई सिविल अस्पताल शहर के बीच में होने के साथ ही साधन संपन्न हैं। यहां रोगियों की संख्या बड़े अस्पतालों की तरह रहती है। इसी तरह से दूसरे जिलों में कुछ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहुत अच्छी स्थिति में हैं। वहां सीजर डिलीवरी की सुविधा भी है।

कैबिनेट से स्वीकृति मिलने के बाद बुलाएंगे ऑफर...

मापदंड के अनुसार पांच विषय विशेषज्ञ भी हैं। ऐसे में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अब उन स्वास्थ्य संस्थाओं की सूची तैयार कर रहा है, जिन्हें पीपीपी मोड पर दिया जा सकता है। कैबिनेट से स्वीकृति मिलने के बाद इन्हें पीपीपी मोड पर देने के लिए ऑफर बुलाए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष मार्च में राज्य सरकार ने प्रदेश के पांच जिलों में निजी मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए वहां के बड़े अस्पतालों को पीपीपी मोड पर देने का निर्णय लिया था। इनमें कटनी, पन्ना और मुरैना में पीपीपी से कालेज खोलने के लिए निजी निवेशकों से ऑफर बुलाए गए हैं। दो अन्य स्थानों के लिए भी शीघ्र ही निविदा जारी करने की तैयारी है।

कंजरों के बाद अब शिकारियों से परेशानी!

रात के अंधेरे में राष्ट्रीय पक्षी को मारने के लिए किए फायर

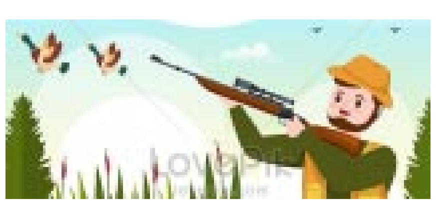

मंदसौर, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सीतामऊ थाना क्षेत्र इन दिनो चर्चाओ में है। कुछ दिनों पहले कंजरों की आमद को लेकर चर्चा में आए थाना क्षेत्र में अब राष्ट्रीय पक्षी मोर के शिकारी चर्चाओ में है। क्षेत्र के गांव मुवाला में बीती रात राष्ट्रीय पक्षी मोर का शिकार करने आए लोगों ने हवाई फायर किए। ग्रामीणों की माने तो एक दो नहीं बल्कि कई फायर किए। इससे सहज रूप से अंदाजा लगाया जा सकता है कि पुलिस कितनी सतर्क है।

जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय पक्षी मोर का शिकार करने आए बदमाशों ने रात में फायर किए। रात करीब 12.30 बजे ग्रामीणों को फायर की आवाज सुनाई दी। ग्रामीणों ने बताया कि मुवाला मुवाजर माताजी के मगरे पर जंगल में राष्ट्रीय पक्षी मोर का बड़ी संख्या में बसेरा है। ऐसे में बीती रात को जंगल होने के कारण कई शिकारी यहां पहुंचे और मोर के शिकार के लिए फायर किए। रात्रि करीब 12.30 बजे मगरे से ग्रामीणों को गोलियों की आवाज सुनाई दी। कुछ लोगों ने गांव के ही अर्जुन गेहलोत को सूचना दी। सूचना पर अर्जुन गांव के कुछ लोगों को लेकर मौके पर पहुंचा। रात के अंधरे के कारण गांव लदूना और कोचरियाखेड़ी के ग्रामीणों को अर्जुन ने फोन से सूचना दी। एक दर्जन से अधिक ग्रामीणजन मौके पर एकत्रित हुए। करीब एक घंटे तक ग्रामीण वहीं रूके। कुछ देर बाद फायर करने वाले लोग हवा में फायर करते हुए वहां से निकल गए। प्रत्यक्षदर्शी अर्जुन गेहलोत, दीपक शर्मा, प्रकाश, दयाराम, पृथ्वीराजसिंह, पीयूष, देवीलाल आंजना, रमेश आंजना, शिवनारायण आंजना, बाबूलाल, शंभूसिंह आदि मौजूद लोगों ने मोर का शिकार करने आए लोगों को देखा। मामले में पुलिस ने क्या कार्यवाही की यह पता नहीं चल सका।

कलेक्टर बाथम के निर्देश पर स्कूल के विरुद्ध कारवाई

चैतन्य टेक्नो स्कूल द्वारा नियम विरुद्ध विक्रय जा रही पाठ्य पुस्तके, स्कूल ड्रेस आदि जप्त

रतलाम, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर राजेश बाथम के निर्देश पर नियम विरुद्ध कार्य करने वाले स्कूल के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई है। रविवार को राजस्व तथा शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए जिले के डेलनपुर स्थित श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल द्वारा नियम विरुद्ध तथा मनमानी कीमतों पर बेची जा रही पाठ्य पुस्तके तथा ड्रेस आदि जप्त की जाकर स्कूल के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

शिकायत मिलने पर जांच दल श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल पहुंचा जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी के.सी. शर्मा, तहसीलदार ऋषभ ठाकुर, नायब तहसीलदार उपाध्याय सम्मिलित थे। दल द्वारा स्कूल के ग्राउंड फ्लोर के तीन कक्षों एवं प्रथम तल के एक कक्ष में स्कूल ड्रेसेस तथा पाठ्य पुस्तकों का भंडारण पाया गया जिसमें 304 पैकेट में स्कूल ड्रेस, बेल्ट, टाई, मोजे, 295 पैकेट स्वेटर, कक्षा पहली से दसवीं तक की 366 बंडल पुस्तके तथा 9 पुस्तक पैकेट, तीन कॉपी के बंडल पाए गए। समस्त सामग्री सील करके जिला शिक्षा अधिकारी के सुपुर्द की गई है। कलेक्टर श्री बाथम ने कहा कि नियम विरुद्ध कार्य करने वाले स्कूलों के विरुद्ध कार्रवाई जारी रहेगी। स्कूलों को चेतावनी दी गई है कि वे नियम विरुद्ध जाकर पाठ्य पुस्तकें, गणवेश आदि विक्रय का कार्य नहीं करें अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ग्रीन फील्ड कॉरिडोर:मंदसौर को भी होगा लाभ

मंदसौर, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश का झाबुआ जिला गुजरात सीमा पर स्थित है। यदि राजधानी भोपाल से सड़क मार्ग द्वारा झाबुआ जाना हो तो फिलहाल 6 घंटे से ज्यादा का समय लगता है। अब ये दूरी करीब आधी होने वाली है। लेकिन, इसके लिए ऐसा तीन साल का इंतजार करना पड़ेगा। छत्तीसगढ़ से गुजरात को जोड़ने वाले एक्सप्रेस- वे नर्मदा प्रगति पथ का 867 किलोमीटर का कुछ हिस्सा मध्यप्रदेश से होकर गुजर रहा है। इसका थोड़ा हिस्सा 4 लेन होगा तो थोड़ा हिस्सा 6 लेन का रहेगा। इसे 2027 तक बनाने की डेडलाइन तय की गई है।

केवल नर्मदा प्रगति पथ नहीं बल्कि मप्र में ऐसे 5 और एक्सप्रेस-वे बनने वाले हैं। डॉ. मोहन यादव सरकार ने अपने पहले बजट में इन 6 एक्सप्रेस-वे को प्राथमिकता से पूरा करने का ऐलान किया है। सभी प्रोजेक्टस पर अगले 5 साल में 65 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। इस मेगा प्रोजेक्ट से मंदसौर जिले को भी जबरदस्त फायदा होने वाला है।

मालवा-निमाड़ विकास पथ को इंदौर-धार-आलीराजपुर कॉरिडोर के नाम से भी जाना जाता है। यह एक्सप्रेस-वे मंदसौर, उज्जैन, इंदौर और बुरहानपुर को जोड़ेगा। यह 450 किलोमीटर लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग इंदौर को आलीराजपुर से जोड़ेगा, जो राज्य के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित है। इस प्रोजेक्ट का एक हिस्सा गरोठ (मंदसौर) में दिल्ली -मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से उज्जैन तक 136 किमी निर्माणाधीन है। इसे ग्रीन फील्ड कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जा रहा है। यानी इसके रूट को हरे मैदान या खेतों के बीच से निकाला गया है। ऐसी जगह पर समतल जमीन और शहर से दूरी होने से लोकल ट्रैफिक बहुत कम होता है। ऐसे में लंबी दूरी के वाहनों की स्पीड पर असर नहीं होता। यही वजह है कि ग्रीन फील्ड कॉरिडोर में घुमाव अर्थात मोड़ काफी कम है। निमाड़ क्षेत्र में दूसरा हिस्सा इंदौर से इच्छापुर (बुरहानपुर) तक बनाया जा रहा है। इसकी लंबाई 215 किमी है। इसकी लागत 5400 करोड़ रुपए अनुमानित है। सरकार ने मालवा-निमाड़ विकास पथ का निर्माण सिंहस्थ 2028 से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

विचार-मंथन

आस्था के नाम पर त्रासदी और बेखबर सरकार

हाथरस में एक सत्संग के दौरान हुए हादसे की न्यायिक जांच की घोषणा हो गई है और इस तरह अब इसके सहारे सरकार इस घटना पर उठने वाले सवालों के शांत होने की उम्मीद कर रही है। अब इस जांच के नतीजे कब आएंगे, किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी, क्या कार्रवाई होगी, यह सरकार की इच्छाशक्ति पर निर्भर है। मगर इस घटना में जो हुआ, उसने न केवल किसी स्वयंभू बाबा और उसके समूह को, बल्कि सरकार और समूचे प्रशासन-तंत्र को कठघरे में खड़ा किया है। हालत यह है कि एक बाबा के कथित सत्संग के आयोजन को लेकर तो सभी स्तरों पर लापरवाही बरती ही गई, उससे उपजी अव्यवस्था की वजह से मची भगदड़ में कम से कम एक सौ इक्कीस लोगों के मारे जाने के बाद कार्रवाई के मामले में भी पुलिस और प्रशासन का जो रुख सामने आया है, वह हैरान करने वाला है। खबरों के मुताबिक भगदड़ के बाद छह सेवादार भाग गए थे, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन मुख्य आरोपी को पकड़ने के लिए एक लाख रुपए इनाम की घोषणा की गई। इसके अलावा, पुलिस का कहना है कि अगर जरूरत पड़ी तो 'भोले बाबा' से भी पूछताछ की जाएगी। हालांकि इसका कोई संतोषजनक जवाब सामने नहीं आया है कि बाबा का नाम पुलिस के पास दर्ज प्राथमिकी में क्यों नहीं है! सवाल है कि आस्था के नाम पर सामने आई त्रासदी के लिए अगर सत्संग के आयोजकों की जिम्मेदारी बनती है, तो इस व्यापक लापरवाही में प्रशासन भी अपनी जवाबदेही से कैसे बच सकता है? अस्सी हजार लोगों की जुटान की इजाजत दे दी गई और ढाई लाख लोगों का जमावड़ा हो गया तो यह किसके आंख मूंद लेने की वजह से हुआ? इतनी बड़ी तादाद में लोगों के वहां आने के बाद प्रशासन ने क्या ऐसा किया ताकि आपात स्थितियों में बचाव हो सके? जिस राज्य में आए दिन सरकार किसी भी कोने में छिपे अपराधियों को काबू में करने का दावा करती रहती है, उसमें पुलिस और खुफिया तंत्र के इतने बड़े जाल के बावजूद 'भोले बाबा' कैसे फरार हो गया? सब कुछ दुरुस्त होने के दावे के बीच एक बाबा भारी संख्या में लोगों को जुटा कर अपनी महिमा का बखान करता रहा। फिर भगदड़ के बाद उसके फरार हो जाने पर पुलिस उसे पकड़ नहीं पा रही और प्राथमिकी तक में उसका नाम नहीं है तो इसके पीछे क्या वजहें हैं? सच यह है कि इस तरह बाबाओं के समाज या साधारण लोगों के बीच पांव पसारने और उन्हें मन-मुताबिक संचालित करने के लिए भी सरकार की जिम्मेदारी बनती है। आम लोग अपनी जीवन-स्थितियों में बेहतरी और विकास लाने के साथ-साथ अच्छी पढ़ाई-लिखाई करें, नए विचारों से समृद्ध हों, इसकी व्यवस्था करना सरकार का दायित्व है। मगर इसके समांतर संदिग्ध पृष्ठभूमि वाला कोई व्यक्ति बाबा का रूप धर कर लोगों को इस हद तक प्रभावित कर लेता है कि कुछ पीड़ित भी भगदड़ और लोगों के मारे जाने के लिए उस पर सवाल उठाने को गलत मानने लगते हैं। आस्था के नाम पर इस तरह के सम्मोहन की स्थिति पैदा होने को लेकर क्या सरकारों की कोई जवाबदेही नहीं बनती? अव्यवस्था से उपजी कोई बेहद दुखद घटना हो जाती है, लोगों की जान चली जाती है, तब समूचा सरकारी तंत्र अत्यधिक सक्रिय दिखने लगता है। अफसोस की बात यह है कि जब ऐसी भयावह घटनाओं की भूमिका बन रही होती है, तब सरकार बेखबर रहती है। अगर समय रहते थोड़ी भी सक्रियता दिखाई जाती, तो शायद ऐसी त्रासदी से बचा जा सकता था!

हाथरस हादसे में मौतों की जवाबदेही तय हो

ललित गर्ग

हाथरस के सिकंदराराऊ के निकट फुलरई के एक खेत में कथित हरि बाबा के एक दिवसीय सत्संग के दौरान यह हादसा हुआ। इस बाबा से जुड़ी बातें विसंगतियों से भरी है। सफ़ेद कोट-पेंट, टाई पहनने वाला यह बाबा कोई पंडित नही है न साधु संत है, यह जूता पहनकर प्रवचन देता था। उत्तर प्रदेश के हाथरस में मंगलवार को एक सत्संग के समापन के बाद मची भगदड़ में एक सौ इक्कीस लोगों के मरने एवं सैकड़ों लोगों के घायल होने की हृदयविदारक, दुःखद एवं दर्दनाक घटना ने पूरे देश को विचलित किया है। ऐसी घटनाएं न केवल प्रशासन की लापरवाही एवं गैर जिम्मेदारी को उजागर कर रही है बल्कि धर्म के नाम पर पनप रहे आडम्बर, अंधविश्वास एवं पाखण्ड को भी उजागर कर रही है। ऐसी त्रासदियां एवं दिल को दहलाने देने वाली घटनाओं से जुड़े पाखण्डी बाबाओं की कारगुजारियों से हिन्दू धर्म भी बदनाम हो रहा है, जबकि सैकड़ों लोगों की जान लेने वाले बाबा को हिंदू धर्म से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह हादसा अनेक सवालों को खड़ा करता है, बड़ा सवाल है कि ऐसे बड़े आयोजन में सुरक्षा उपायों की अनदेखी क्यों होती है? सवाल उठता है कि इतना बड़ा आयोजन बिना पुख्ता इंतजाम के किसकी अनुमति से किया जा रहा था? क्या सुरक्षा मानकों का पालन किया गया? क्या इतने बड़े आयोजन की सुरक्षा का जिम्मा पुलिस-प्रशासन का नहीं होता? क्या आयोजन-स्थल पर निकास द्वार, पानी, हवा, वैकल्पित चिकित्सा एवं

चिकित्सक, गर्मी से बचने के पुख्ता इंतजाम जरूरी नहीं थे? जवाबदेही तय हो भगदड़ में गयी जानों की। जाहिर है मौतों के बढ़ते आंकड़ों के साथ ही घटना पर लीपापोती की कोशिश भी जमकर होगी, राजनीतिक दल एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराते हुए जमकर राजनीति भी करेंगे। यह तय है कि ऐसे बाबाओं की दुकान बिना राजनेताओं के वरदहस्त के चलनी संभव नहीं है। हाथरस के सिकंदराराऊ के निकट फुलरई के एक खेत में कथित हरि बाबा के एक दिवसीय सत्संग के दौरान यह हादसा हुआ। इस बाबा से जुड़ी बातें विसंगतियों से भरी है। सफ़ेद कोट-पेंट, टाई पहनने वाला यह बाबा कोई पंडित नही है न साधु संत है, यह जूता पहनकर प्रवचन देता था। इस बाबा को कितने वेद पुराण का ज्ञान है? यह किस परंपरा से है? इसके गुरु कौन हैं? ऐसे अनेक प्रश्न है जो बाबा को शक एवं संदेह के घेरे में लेते है। इन्हें हिन्दू बाबा कैसे कहा जा सकता है? हिंदू धर्म में ऐसा कहां होता है? यह बाबा पहले पुलिस सेवा में थे और जिनका मैनपुरी में भव्य एवं महलनुमा आश्रम है। घटना के बाद बाबा फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। भारत में भोली-भाली जनता को ठगने एवं गुमराह करने वाले ऐसे पाखण्डी बाबाओं की बाढ़ आई हुई है। इस तरह की घटनाएं केवल जनहानि का कारण ही नहीं बनतीं, बल्कि देश एवं धर्म की बदनामी भी कराती हैं। इन घटनाओं पर पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के बजाए राजनीति करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और निंदनीय भी। हाथरस की घटना कितनी अधिक गंभीर एवं चिन्ताजनक है, इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा में अपने संबोधन के बीच इस हादसे की जानकारी दी एवं शोक-संवेदना व्यक्त की। दुनिया भर में इस घटना को लेकर दुःख जताया जा रहा है। यह तय है कि हाथरस में इतनी अधिक संख्या में लोगों के मारे जाने पर शोक संवेदनाओं का तांता लगेगा, लेकिन क्या ऐसे हादसों को नियंत्रित करने वाले ऐसे कोई उपाय भी सुनिश्चित कर सकेंगे, जिससे भविष्य में देश को शर्मिंदा करने वाली ऐसी घटना न हो सके? प्रश्न यह भी है कि आखिर धार्मिक आयोजनों में धर्म-कर्म का उपदेश देने वाले लोगों को संयम और अनुशासन की सीख क्यों नहीं दे पाते? कब तक ऐसे आयोजन धन कमाने के माध्यम बनते रहेंगे, जब जब धर्म का ऐसे पाखण्ड एवं पाखण्डियों से गठबंधन हुआ है, तब तक धर्म अपने विशुद्ध स्थान से खिसका है। यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि कई बार ऐसे आयोजनों में भगदड़ का कारण लोगों का असंयमित व्यवहार भी बनता है। ऐसा लगता है कि अपने देश में धार्मिक-सामाजिक आयोजनों में कोई इसकी परवाह नहीं करता कि यदि भारी भीड़ के चलते अव्यवस्था फैल गई तो उसे कैसे संभाला जाएगा? क्या इसलिए कि प्रायः मारे जाने वाले लोग निर्धन एवं गरीब वर्ग के होते हैं? एक डरावनी एवं संवेदनहीन हकीकत है कि हम ऐसे धर्म एवं धार्मिकता से जुड़े पिछले हादसों से कोई सबक नहीं सीखते। हाल के दिनों में भीड़भाड़ वाले धार्मिक आयोजनों में भगदड़ में लोगों के मरने के मामले लगातार बढ़े है। सवाल उठना स्वाभाविक है कि भीड़ के बीच होने वाले हादसों को कैसे रोका जाए। दो साल पहले माता वैष्णो देवी परिसर में भगदड़ में बारह श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। अप्रैल 23 में बनारस की भगदड़ में 24 लोग मरे थे। खाटू श्याम में भी भीड़ में दब कर 4 लोगों की मौत हुई। इंदौर में पिछले साल रामनवमी के दिन बावड़ी की छत गिरने से पैंतीस लोग मर गये थे। इसी तरह 2016 में केरल के कोल्लम के एक मंदिर में आग लगने से 108 लोगों की मौत हुई और दो से अधिक घायल हुए थे। पंजाब के अमृतसर में दशहरे के मौके पर रावण दहन देख रहे साठ लोगों के ट्रेन से कुचलकर मरने की घटना को नहीं भूले हैं। देश में भीड़ की भगदड़ से होने वाले 70 फीसदी हादसे धार्मिक आयोजनों के दौरान ही होते हैं। हाल में दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्थल से जुड़ा हादसा मुसलमानों के पवित्र स्थल मक्का में हुआ, जहां हज यात्रियों पर गर्मी का सितम इस कदर कहर बना कि 900 से ज्यादा मौतें हुई, जिनमें 90 भारतीय ने भी जाने गंवाई। विडम्बना है कि इन बड़े-बड़े हादसों से न तो जनता कुछ सीख लेती और न ही प्रशासन। यह हैरानी की बात है कि किसी ने यह देखने-समझने की कोई कोशिश नहीं की कि भारी भीड़ को संभालने की पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं? यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि इस आयोजन की अनुमति देने वाले अधिकारियों ने भी कागजी खानापूर्ति करके कर्तव्य की इतिश्री कर ली। यदि ऐसा नहीं होता तो किसी ने इस पर अवश्य ध्यान दिया होता कि आयोजन स्थल के पास का गड्ढा लोगों की जान जोखिम में डाल सकता है। जैसे-जैसे जीवन में धर्म का पाखण्ड फैलता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है।

बारिश की पहली बूंद और मधुर संगीत से जगी आशा की उम्मीद

रेखा शाह आरबी

गर्मी की तपिश के बीच बारिश की पहली बूंद जब सूखी और शुष्क जमीन पर पहली बार छत्र से गिरती है, तो उससे उठने वाला मधुर संगीत मन को खुश कर देता है। मानो पूरी धरती खुशी के मारे नृत्य करने लगती है। सूखी हुई धरती और कुम्हलाए हुए पेड़-पौधे, पत्तियों की मन की मुराद पूरी होने पर उनका नृत्य करना तो बनता ही है। दुनिया के सारे संगीत से सुंदर गिरती हुई बारिश की बूंद का संगीत होता है, क्योंकि इस संगीत में जीवन होता है, जीवन की आशा होती है और जीवन की जिजीविषा की पूर्ति होती है। यों भी, जो वस्तु समस्त चर-अचर को जीवन प्रदान करे, वह तो अमृत तुल्य ही होती है। पहली बूंद और सूखी धरती के मिलने से उठने वाली दुनिया की सबसे मनभावन सुगंधित सौंधी सुगंध आत्मा के पोर-पोर को तृप्त कर देती है। ऐसा लगता है, उसे अपने रोम-रोम में बसा लिया जाए। बारिश में बरसने वाली बूंदें सभी जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों को जीवन की संभावना देती है। ग्रीष्म और सूर्य के तीव्र ताप से त्रस्त असंख्य पीड़ा का बारिश के बादल उपचार कर देते हैं। उसे अपनी शीतलता से सहला कर पीड़ा रहित कर देते हैं। यह सब प्रकृति का एक चमत्कार ही है। तीन-चार माह की झुलसाने वाली गर्मी के बाद जब मानसून की आमद होती है तो समस्त चर-अचर नतमस्तक होकर उसका स्वागत करते हैं। दरअसल, मानसून अपने साथ ढेर सारी खुशियां और जीवन के स्रोत लेकर आता है। लोक में मानसून की तुलना घर में नववधू के आने से की जाती है, जो धरती पर खुशहाली लेकर आता है। इससे प्रकृति अपना शृंगार करती है। प्रकृति का स्वाभाविक सौंदर्यीकरण सबको आनंदित और आह्लादित कर देता है। मानसून की ठंडी हवा तन-मन को शीतलता से भर देती है। नदी-नाले पोखर गर्मी और ऊंचे तापमान के बीच सूखने के कगार पर होते हैं या सूख चुके होते हैं, उनमें रहने वाले जीव-जंतु या तो मृत्यु की ओर अग्रसर होते हैं या तो अपनी मृत्यु की प्रतीक्षा करते हैं, लेकिन मानसून आते ही उन सभी को फिर से नवजीवन की आश्वासन मिल जाता है। फिर सभी पहले की तरह पुनर्जीवित, पुष्पित, पल्लवित होने लगते हैं। धरती पर रह रहे हर प्राणी और जीव-जंतु का एक अहम लक्ष्य होता है अपनी संतति को बढ़ाना और पालन-पोषण करना। मानसून के साथ आए बादल और उससे बरसता पानी उन नवआगंतुकों का स्वागत भोजन और पानी की व्यवस्था करके करता है। उनको सुख-समृद्धि और जीवन देने का आश्वासन देता है। यह सब मानसून के साथ आए हरियाली का ही आशीर्वाद होता है। हरियाली हम सभी और समूचे जीव-जगत की खुशहाली का मार्ग है। जीवन वहीं पर सबसे समृद्ध रूप में है, जहां हरियाली है। धरती की हरियाली के साथ उपजे अन्न, धन से ही संतति का पालन-पोषण किया जाता है। धरती पर जब हम हरियाली का उत्सव मनाते हैं, तो एक तरह से हम अपनी वर्तमान और भावी पीढ़ी की खुशहाली का उत्सव मनाते हैं। उनकी संपन्नता का उत्सव मनाते हैं। यह उत्सव कोयल की कूक और पपीहे की पीहू-पीहू में हम सुनकर आनंदित होते हैं। जब धरती पर मोर बारिश में भीग कर नृत्य करने लगते हैं तो दरअसल वे सभी जीव-जंतुओं की खुशहाली पर नृत्य करते आनंद मनाने का प्रतीक होता है। प्रकृति बारिश के आते ही एक नया सौंदर्य धारण कर लेती है, जिसमें सब कुछ नूतन लगता है। ऐसा लगता है जैसे धरा कोई व्यक्ति हो और उसे नहला-धुला कर नए वस्त्र पहनाकर उसका साज-शृंगार कर दिया गया हो। और वह एक नई आभा से चमकने लगा हो। किसान आसमान में उमड़ते-घुमड़ते मानसून को देखकर अपना कुदाल, फावड़ा और हल-बैलों या अन्य खेती के संसाधनों को लेकर खेतों की ओर मस्ती की धुन में चल पड़ता है। इससे सुंदर दृश्य भला धरती पर और क्या हो सकता है! बैलों के गले में बंधी हुई घंटियां जब खेतों में हल के चलने से बजती हैं, तो उससे उठने वाले संगीत से मन भावविभोर हो जाता है। यह खुशी सिर्फ भावनात्मक नहीं होती है। इसके आर्थिक, सामाजिक, गहरे निहितार्थ हैं, जो जीव के जीवन से जुड़े हुए हैं। हरियाली से हमारा पर्यावरण जितना हरा-भरा रहेगा, उतना ही जीवन में खुशहाली भी रहेगा। चाहे हम जितने भी आधुनिक बन जाएं और चाहे जितने भी आविष्कार कर लें, लेकिन सांस लेने के लिए अभी भी हम पौधों के ही मोहताज हैं। हमने ऐसी कोई भी मशीन ईजाद नहीं की है जो बिना प्रकृति की मदद लिए आक्सीजन का निर्माण कर सके। भोजन-पानी अपनी सभी जरूरतों के लिए प्रकृति की हरियाली पर ही निर्भर है। हम सभी प्रकृति के एक चक्र में बंधे हुए हैं। हम सभी घटक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से एक दूसरे पर निर्भर हैं। इसलिए हम सभी का यह प्रयास रहना चाहिए की धरती पर ज्यादा से ज्यादा हरियाली रहे, ताकि जीव-जगत के जीवन में खुशहाली रहे।

संसद में कांग्रेस का हिंदू व संविधान विरोधी चेहरा बेनकाब हुआ

राहुल गांधी का यह हिन्दू विरोधी बयान सामने आते ही संपूर्ण भारत के हिंदू समाज में आक्रोष की स्वाभाविक लहर दौड़ गई। संपूर्ण भारत में राहुल गांधी व कांग्रेस के विरोध में प्रदर्शन हुए। राहुल गांधी के पोस्टरों पर कालिख पोती गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग गठबंधन सरकार के तीसरे कार्यकाल के प्रथम संक्षिप्त संसद सत्र का समापन हो चुका है। नियमानुसार इस सत्र में माननीय राष्ट्रपति जी ने लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों को संयुक्त रूप से संबोधित किया। ये सत्र विपक्ष और मुख्यतः कांग्रेस के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था। दस वर्षों के बाद कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष बनने का अवसर मिला है। संसदीय परम्परा में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद एक बहुत ही जिम्मेदारी का पद होता है और कांग्रेस ने ये जिम्मेदारी अपने नेता राहुल गांधी को दी। राजनैतिक विश्लेषकों का अनुमान था कि अब राहुल गांधी एक सदन के अंदर और बाहर एक परिपक्व राजनेता की तरह व्यहार करेंगे विभिन्न मुद्दों पर गम्भीरता के साथ बहस करेंगे, समस्याओं के उचित समाधान की बात करेंगे किंतु दस वर्षों के बाद भी 99 सीट लेकर नेता प्रतिपक्ष बने राहुल गांधी ने अपने पहले ही भाषण और पहले ही सत्र के आचरण से न केवल देश को निराश किया अपितु कांग्रेस के वास्तविक शुभ चिंतकों में भी निराशा दिखी। सर्वप्रथम राहुल गांधी और उनके नये मित्र सपा नेता सांसद अखिलेश यादव ने शपथ ग्रहण के दौरान क्रमशः लाल व नीले रंग के कवर वाली संविधान की प्रति हाथ में लेकर बता दिया कि आगामी दिनों में वह झूठे नैरेटिव वाली राजनीति करने जा रहे हैं। बाद में उनके सांसदों ने भी उनकी नीति का अनुसरण किया।वरिष्ठ और पढ़े लिखे माने जाने वाले कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी जय संविधान का नारा लगाया। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी चुनावी मोड में ही रहे और बिना तथ्यों का वही भाषण दिया जो वो अपनी चुनावी रैलियों में दिया करते थे। अंतर इतना ही हुआ कि सदन के अन्दर भाषण देते हुए वो इतने उत्तेजित हो गए कि भाजपा व संघ पर हमला करने के प्रयास में संपर्ण हिंदू समाज को ही हिंसक कह बैठे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बहुत ही उन्मादी तरीके से कहा कि जो लोग खुद को हिंदू कहते हैं वह लोग चौबीसों घंटे केवल हिंसा करते हैं, नफरत फैलाते हैं और झूठी बाते करते हैं। यही नहीं राहुल गांधी अपने भाषण के दौरान भगवान शिव जी की एक तस्वीर को बार -बार सदन के अंदर दिखाते थे और फिर उसे उल्टा रख देते थे ऐसा उन्होंने संसद में कई बार किया। इतना ही नहीं उन्होंने शिव जी और उनकी अभय मुद्रा की अद्भुत व्याख्या तक कर डाली, ऐसा करके राहुल गांधी ने न सिर्फ भगवान शिव का अपमान किया अपितु भारत की मूल आत्मा व संविधान के सभी नियमों का भी घोर उल्लंघन करते हुए अपने 18 प्रतिशत मुस्लिम वोट बैंक को प्रसन्न करने के लिए 100 करोड़ से अधिक हिन्दू जनमानस व उनकी आस्था का घोर अपमान कर डाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अविलम्ब संज्ञान लेकर इसका विरोध दर्ज कराया और कहा कि यह एक बहुत ही गम्भीर मामला है। संसद में ही किसी धर्म को हिंसक कहना एक बहुत बड़ा अपराध है और संविधान विरोधी कृत्य है। राहुल गांधी का यह हिन्दू विरोधी बयान सामने आते ही संपूर्ण भारत के हिंदू समाज में आक्रोष की स्वाभाविक लहर दौड़ गई। संपूर्ण भारत में राहुल गांधी व कांग्रेस के विरोध में प्रदर्शन हुए। राहुल गांधी के पोस्टरों पर कालिख पोती गई। राहुल गांधी भगवान शिव का चित्र लहराते समय यह भूल गये कि भगवान शिव के प्रति हिंदू जनमानस में गहरी आस्था है । भगवान शिव का दर्शन किया जाता है उनका प्रदर्शन नहीं किया जाता है।

बिहार में 17 दिन में 15 पुल गिरने पर एक्शन, 15 इंजीनियर सस्पेंड

आज का राशिफल

मेष : [illegible] शुभांक-3-6-9

वृषभ : [illegible] शुभांक-4-7-9

मिथुन : [illegible] शुभांक-4-6-9

कर्क : [illegible] शुभांक-1-5-7

सिंह : [illegible] शुभांक-1-3-5

कन्या : [illegible] शुभांक-4-6-8

तुला : [illegible] शुभांक-2-4-6

वृश्चिक : [illegible] शुभांक-4-6-8

धनु : [illegible] शुभांक-3-5-6

मकर : [illegible] शुभांक-3-4-6

कुंभ : [illegible] शुभांक-3-5-6

मीन : [illegible] शुभांक-3-5-6

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5289

5	4	2	6			9	7	3
				4			8	
	1	3	9					
						5		
	3		2	1	4		9	
		4						
					9	1	6	
	5			7				
1	7	9			2	4	3	5

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5288

9	5	2	1	3	4	8	6	7
3	1	7	5	6	8	2	9	4
4	6	8	7	9	2	5	3	1
2	8	5	6	7	1	9	4	3
1	3	4	8	5	9	7	2	6
7	9	6	2	4	3	1	8	5
6	2	1	4	8	5	3	7	9
5	4	9	3	2	7	6	1	8
8	7	3	9	1	6	4	5	2

वर्ग पहेली 5289

संकेत: बाएं से दाएं

1. पुर्तगाल और इस देश का बॉर्डर दुनिया की इकलौती ऐसी बॉर्डर है जहां जिप लाइन के जरिए एक देश से दूसरे देश जा सकते है (2)
3. उत्तरप्रदेश की पूर्व महिला मुख्यमंत्री (4)
6. मजार को यह भी कहते है (5)
8. एकत्रित, इकट्ठा किया हुआ (2)
10. मस्तक, माथा (3)
11. घुंघरू, इस अभिनेत्री की पहली फिल्म थी हलचल (1971)(सिर्फ आरंभिक नाम)(3)
12. सन्निकट नहीं (3)
15. मित्र या मैत्री (संस्कृत) (2)
17. कुलीन स्त्री, हेमामालिनी की अभिनेत्री पुत्री (सिर्फ नाम) (2)
19. मुस्लिम रीति से निकाह करवाने वाला (2)
20. हमारे प्रथम प्रधानमंत्री की पत्नी (सिर्फ नाम) (3)
22. शिरोमणि, सबसे अच्छा (4)
23. [illegible] (3)
24. सूती महीन ताग, इस को अंग्रेजी में यह कहते है (2)

ऊपर से नीचे

1. विशिष्ट, किसी खास व्यक्ति के लिए (3)
2. [illegible] (4)
3. धन संपत्ति, जादू प्रभाव (2)
4. दोस्त, मित्र, उपाधि (2)
5. पंजाबी गीतों की प्रसिद्ध लोकगायिका (5)
7. याद करने के लिए बार-बार दोहराना (3)
9. शिकस्त, पराजय, शतरंज की एक चाल (2)
13. हिंदुओं में एक संस्कार जिसमें बालक का नाम रखा या निश्चित किया जाता है (5)
14. नभ, गगन, पंच तत्वों में से एक (3)
16. [illegible] (3)
18. [illegible] (4)
21. शर्म, हया (2)
22. आधार, तुल्य, वह संख्या जिससे भाग देने पर शेष कुछ न बचे (2)

वर्ग पहेली 5288 का हल

इ	ला	हा	बा	द	है	क	
त	ल		रू	म		ल	पु
ना	य	कु	द		श्या	म	ल
		ल			म	ल	ना
सा	ब	र	म	ती		मा	
ह	द		स्त	र		ना	ते
सि	ल	ना			भा		ज
क	ना	ग	त		त	प	स्वी

मंदसौर का मेडिकल कालेज भवन लगभग बनकर तैयार

नेशनल मेडिकल काउंसिल टीम ने निरीक्षण किया, इसी माह से विद्यार्थियों के प्रवेश प्रारंभ की संभावना

(महावीर अग्रवाल)

मंदसौर, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। इस जुलाई 2024 से मन्दसौर में शुरू होने जा रहे मेडिकल कालेज का नेशनल मेडिकल काउंसिल की टीम ने पिछले दिनों निरीक्षण कर लिया है। मन्दसौर मेडिकल कालेज द्वारा 150 की मांग रखी गई है। मेडिकल कालेज 31 फैकल्टीज और 8 सीनियर ने जॉइन कर लिया है। आवश्यकता 114 फैकल्टीज की है। नेशनल मेडिकल काउंसिल से मंजूरी के बाद इसके उदघाटन की प्रक्रिया का रास्ता साफ हो जाएगा। नीट की।काउंसलिंग के बाद मेडिकल कालेज में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी।

मन्दसौर के मेडिकल कालेज के नाम शासन ने सुंदरलाल पटवा मेडिकल कालेज रखा है और इसे मन्दसौर के शासकीय इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय से संबद्ध कर दिया है तथा जिला चिकित्सालय के बाहर सुंदरलाल पटवा मेडिकल कालेज भी लिख दिया गया है। नेशनल मेडिकल काउंसिल ने मेडिकल कालेज के निरीक्षण के बाद नेशनल मेडिकल काउंसिल को अपनी रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर दी है। यह मेडिकल कालेज शासकीय स्तर से संचालित है।जिला अस्पताल से इसे संबद्ध करने पर 500 बेड के जिला अस्पताल में 100 बेड मेटरनिटी वार्ड के और 50 बेड की और व्यवस्था की जा रही है। 270 करोड़ रु की लागत से बनकर लगभग तैयार मेडिकल 17.42 हेक्टर जमीन पर बना है। कालेज में 600 विद्यार्थियों की क्षमता के अनुरूप 7 मंजिला होस्टल भी तैयार हो गया है। इस कॉलेज में फर्नीचर भी लगभग लग गया है। लिफ्ट भी चालू हो गई है। स्टाफ क्वाटर भी तैयार हो गए है। यही पर नर्सिंग कालेज के निर्माण की भी तैयारियां चल रही है। नर्सिंग कालेज के लिए भी जमीन आबंटित हो गई है। इस तरह मेडिकल कालेज के पास कुल 19 हेक्टर जमीन हो गई है।इस कॉलेज के दूसरे चरण में 55 करोड़ रु के और निर्माण कार्य होंगे। पहले चरण में होस्टल,डॉक्टरों के निवास ,इंटर्नलशिप के लिए होस्टल,नर्सेस होस्टल ,कमर्शियल सेंटर, अर्थिपेडिक ब्लाक एव रेस्ट हाउस का निर्माण हो गया है। मंदसौर में प्रारंभ होने जा रहे सुंदरलाल पटवा मेडिकल कालेज की डीन डॉ शशि गांधी ने बताया कि नेशनल

मेडिकल काउंसिल टीम का निरीक्षण हो गया है। अभी फेकल्टी की कमी है। 150 सीटों के लिए 114 फेकल्टी की आवश्यकता है और अभी तक 31 ने तथा 8 सीनियर ने जॉइन कर लिया है। अप्लाय 150 सीटों की मांग के साथ किया गया है।जुलाई के प्रथम या द्वितीय सप्ताह से पता चल जाएगा। उपकरण तैयार है। फर्नीचर लग गया है।

मेडिकल कालेज की निर्माण एजेंसी लोक निर्माण विभाग की पीआईयू के एसडीओ श्री ए के जैन ने बताया कि मेडिकल कालेज भवन का निर्माण लगभग पूरा होने को आया है। क्वाटर निर्माण कार्य मे फिनिशिंग का काम चल रहा है। 40 क्वाटर में पुताई का काम चल रहा है। मेडिकल कालेज भवन जी प्लस 3 भवन है। होस्टल 604 कमरों का काम पूरा हो गया है। ये जी प्लस 8 भवन है। सीनियर डॉक्टर्स के लिए 40 क्वाटर जी प्लस 3 भवन बनाए गए है। डीन , सुपरिंटेंडेंट व रेस्ट हाउस के भवन तैयार हो गए है। शॉपिंग काम्प्लेक्स में 8 दुकानें बनाई जा रही है । फर्नीचर, चार क्लास रूम, लेब, पोस्टमार्टम रूम, लायब्रेरी, डायनिंग व कैंटीन का कार्य पूर्ण हो गए है। रोड व बगीचे का काम भी पूरा हो गया है। श्री जैन ने यह भी कहा कि खेल का मैदान भी बनाया जाएगा।

बीते एक माह से बंद पड़ी है कई क्षेत्रों की स्ट्रीट लाईटें

नीमच, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखने की जिम्मेदारी नगरपालिका की होती है, विगत कुछ माह से नगरपालिका की कार्यप्रणाली जनहितार्थ नहीं देखी जा रही है, हालात ये हो रहे है कि मेंटेनेंस करने के नाम पर भी नगरपालिका के जिम्मेदार सामानों की कमी बताकर अपने काम से पल्ला झाड रहे है। वर्तमान में नगरपालिका के हालात ग्राम पंचायत से भी ज्यादा लाचार नजर आ रहे है, जबकि नीमच की नगरपालिका को प्रदेश की चुनिंदा नगरपालिका में गिना जाता है। वर्तमान में यहां की कार्यप्रणाली दिखावे के मामले में अधिक और धरातल पर जीरो हो चुकी है।

शहर के अंतर्गत आने वाले वार्ड नं. 07, 08, 09, 10, 11 के साथ ही अन्य वार्डों की बात करे तो इन क्षेत्रों में कई जगह दो -दो माह से स्ट्रीट लाईटें बंद पडी है। बात करे वार्ड नं. 8 के अंतर्गत आने वाले गणपति नगर की तो इस क्षेत्र में बीते 10 दिनों से घना अंधेरा छाया हुआ है। बारिश का मौसम चल रहा है ऐसे में जहरीले जानवरों का डर तो बना हुआ रहता है ही वही चोर उठाईगिरों का डर भी बना हुआ रहता है। ऐसे में रात्रि में अंधेरा रहने से लोगो में दहशत व्याप्त है।

इस संबंध में नपा के जिम्मेदारों के बयानो को देखे तो उनके द्वारा बिजली के उपकरणों का, नये सामानों का भारी अभाव बताया जा रहा है जिसके कारण शहर के जिस भी क्षेत्र में मेन्टेनेंस के नाम पर बिजली के उपकरणों की आवश्यकता लगने पर वहां ध्यान ही नहीं दिया जा रहा है। रहवासियों द्वारा चर्चा करने पर सामान नहीं है कहकर पल्ला झाडा जा रहा है। वर्तमान में नीमच नगरपालिका के जो हालात हो रहे है वो पहले कभी भी नहीं देखे गये। ऐसे हालातो को देखे तो क्या नपाध्यक्ष और सीएमओ इतने लाचार हो चुके है कि वे बिजली के सामान भी उपलब्ध नहीं करवा पा रहे है। ऐसे में समझा जा सकता है कि जब छोटी समस्या इनसे हल नहीं हो पा रही है तो बडी समस्या से ये कैसे निपटेंगे? कुल मिलाकर नगरपालिका की वर्तमान कार्यप्रणाली से निष्कर्ष ये निकला कि जनता समस्या से जूझती रहे पर नगरपालिका के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी व जनप्रतिनिधि टस से मस नहीं होंगे ओर ना ही जनता की समस्या का निदान नहीं करेंगे।

इनसे हुई चर्चा-चर्चा में नपा के प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी घनश्याम नागदा से केण्ट थाने में मुलाकात के दौरान इस संबंध में चर्चा की थी तो उन्होंने कहा था कि आचार संहिता के कारण सामान नहीं आ पाया था अब अधिकारी उनकी टेबल पर आ गया है, जल्द ही सामान की व्यवस्था हो जायेगी। उनकी इस बात को कहे हुए 10 दिन से अधिक हो गये आज भी सामान की व्यवस्था नहीं हो पाई है। वहीं इस संबंध में कॉंग्रेस नेता व पार्षद प्रतिनिधि ओम दीवान ने कहा कि पिछले तीन महीनों से वार्डों में अंधेरा छाया हुआ है। आमजन त्रस्त है। नपाध्यक्ष की कार्यप्रणाली जनहित में नहीं दिख रही है। नपा मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति ही नहीं कर पा रही है तो ये कैसे विकास की ईबारत लिखेंगे। शहर गर्त में जा रहा है। लोगों को बड़े-बड़े सपने दिखाकर ये सत्ता में आये थे। पानी की समस्या, सफाई की समस्या, लाईटों का जो मेंटेनेंस करने का सामान है वो ही नहीं उपलब्ध करवा पा रहे है। कैसे ये विकास की गाथा लिखेंगे?

पूर्व सैनिकों, वीरनारियों, विधवाओं और आश्रितों को किसी प्रकार की समस्या हो तो 20 तक सैनिक कल्याण विभाग में प्रस्तुत करें

मंदसौर, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी श्री संजय दीक्षित (से.नि.) द्वारा बताया गया कि मंदसौर जिले के सभी पूर्व सैनिकों, वीरनारियों, विधवाओं और आश्रितों को सूचित किया जाता है, कि उन्हेंकिसी प्रकार की समस्याएँ हो तो जिला सैनिक कल्याण विभाग में 20 जुलाई 2024 तक पोस्ट, व्यक्तिगत उपस्थित होकर, पोस्ट द्वारा या ई-मेल कर सकते है। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण बोर्ड की मीटिंग जुलाई 2024के अंतिम सप्ताह में आयोजित करना प्रस्तावित है जिसमें इन समस्या पर मीटिंग के दौरान विचार विमर्श किया जाएगा।

नेत्र शिविर एवं पौधरोपण किया

मनासा, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आज ग्राम पंचायत कुंडला में गोमाबाई के नेतृत्व में नेत्र शिविर एवं वृक्षारोपण का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम पंचायत कुंडला के सरपंच प्रतिनिधि मुकेश दांगी ओर ग्राम पंचायत के पांच वरिष्ठजन ओर सरपंच ग्राम पंचायत देवरी खवासा के सरपंच अंबाराम जी गुर्जर ग्राम पंचायत चपलाना के सरपंच गणपत जी कुशवाह ग्राम पंचायत कुंदवासा के सरपंच राकेश बामणिया भी उपस्थित थे सभी ने इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजन मे आकर वृक्षारोपण कर अपना योगदान दिया ओर लोगो को वृक्षा रोपण हेतु प्रोत्साहित किया वही नेत्र शिविर के कार्यक्रम में 210 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया है और परीक्षण में ग ग्रामीणजनों मे भारी उत्साह देखा गया गांव के लोगो के साथ अन्य गांव के लोगो ने भी नेत्र परिक्षण मे रूचि दिखाई ओर नेत्र परिक्षण कराया इस अवसर पर

ग्रामवासियो का उत्साह पूर्वक योगदान रहा ओर सरपंच प्रतिनिधि मुकेश जी दांगी के कार्यों की सराहना की।

शासकीय प्राथमिक विद्यालय डिगांव माली में बाल केबिनेट का गठन

मंदसौर, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शासकीय प्राथमिक विद्यालय डिगांवमाली मे प्रति शनिवार आयोजित होने वाली बाल सभा में बरसात और आनन्द विषय पर बालसभा आयोजित की गई जिसमे पढ़ाई मे अव्वल आने वाले छात्र-छात्राओं के बीच बाल केबिनेट का गठन किया गया। जिसमे कक्षा 5 से अंकित पिता अमृतलाल सुर्यवंशी को प्रधानमंत्री समिर पिता बबलु चौहान को उप प्रधानमंत्री, पवन पिता मुकेश सुर्यवंशी को शिक्षामंत्री मनोनीत किया गया। इसी कड़ी मे कक्षा 4 से पर्यावरण मंत्री ऋतिका सुनिल दमामी तथा वित्तमंत्री मनीष पप्पुलाल सुर्यवंशी तथा पुस्तकालय प्रभारी अलविरा समसुजी मंसुरी तथा प्रार्थना अनुशासन प्रभारी सोनाली विजय दमामी, को मनोनीत किया गया। साथ ही बाल केबिनेट की बेठक आयोजित कि गई जिसमे बाल केबिनेट के बचो द्वारा मैदान मे बैठने की सीमेंट की कुर्सीया तथा कक्षा कक्ष मे बैठने के लिये फर्नीचर तथा खराब लाईट पंखे सही कराने सहित एक और शिक्षक की व्यवस्था की मांग का पत्र लिखकर सौंपा गया। इस अवसर पर बाल केबिनेट के सहयोगी सदस्यों के रूप में काजल मंगलेश चौहान, दर्शिका हेमन्त सुनार्थी, आयशा अजय चौहान, अरमान बबलु चौहान तथा खुशी अशोक बुगले को सहयोगी सदस्य

मनोनीत किया। शिक्षा अनुशासन पर्यावरण संरक्षण तथा मैदान को साफ स्वच्छ रखने की समझाईश प्राथमिक शिक्षक मनीष पारीख द्वारा दी गई।

इस अवसर पर आगनवाड़ी केन्द्र क्र. 1, 2, 3, 4, की कार्यकर्ता श्रीमति शोभा शर्मा श्रीमति अनुशुईया शर्मा, श्रीमति विनिता जैन, श्रीमति तुलसीबाईमालवीय, तथा सहायिका श्रीमति शिवकन्या सुर्यवंशी, तुलसी भाटी, श्रीमति जीजा सहित मध्यान भोजन प्रभारी श्रीमति रेखा माली, श्रीमति चंदा पालिवाल, श्रीमति पुजा राव आदि ने सहभागिता करते हुए शाला मे नामांकन बड़ाने तथा छात्र छात्राओं को बेहतर से बेहतर सुविधाएं दिलाने हेतु प्रयास करने की बात कही है। इस असवर पर उप स्वास्थ्य केन्द्र डिगांवमाली के सहायक डॉ. हरीसिंह आंजना एवं रेखा मालवीय द्वारा शैक्षणीक सामग्री स्केच पेन तथा स्वलपहार देकर छात्र छात्राओं को चित्रकला एवं शिक्षा के लिये प्रोत्साहित किया।

जल पुनर्भरण तकनीक अपनाएंगे, जल संकट दूर भगाएंगे- इंजी. व्यास

मंदसौर, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अमृत रूपी वर्षा जल संग्रहण हेतु वर्षा ऋतु आ गई है । अनेक घरों में कुआ या नलकूप होते हुए भी उन्हें जल संकट का सामना करना पड रहा है । अधिकांश कुओं अथवा नलकूप में खारा या मोरा पानी है इन सारी समस्याओं का एक मात्र सहज, सरल मार्ग है - 'वर्षा जल संग्रहण तकनीक की स्थापना।' इस तकनीक की स्थापना हेतु नि:शुल्क मार्गदर्शन हेतु 'अनुराग' संस्था से संपर्क करें।

नवीन भवन निर्माता अपने नवीन भवन के निर्माण से पूर्व ही 'अनुराग' संस्था से सम्पर्क करें ताकि बिना अतिरिक्त खर्च व परेशानी के तकनीक की स्थापना की जा सके। उक्त बात वरिष्ठ अनुरागी इंजी. सुनील व्यास ने कही। वे अनुराग संस्था द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को स्वच्छता, पर्यावरण व जल संवर्धन को लेकर निकाली जाने वाली जनजागरण पदयात्रा के अवसर पर अपनी भावना व्यक्त कर रहे थे। अनुराग जनजागरूकता पद यात्रा में दिलीप कुमार काले, बालकृष्ण दवे , इंजी. एस. के. जैन, डॉ. देवेंद्र पौराणिक, सुधीरकुमार दुबे, हरिनारायण माथुर, वरिष्ठपत्रकार विक्रम विद्यार्थी, श्रीचंद भावनानी, सत्यनारायण सरगरा, रामचन्द्र रैकवार, हरिशंकर शर्मा, रमेश सोनी, अजीजुल्लाह खान, बंशीलाल टांक, राजाराम तंवर, पंडित बृजेश सनाढ्य आदि गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया । संचालन गोपालकृष्ण पंचारिया ने किया।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना अंतर्गत करें ऑनलाइन आवेदन

मंदसौर, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र मंदसौर द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना अंतर्गत जिले में 120 प्रकरणों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। योजना में उद्योग, सेवा एवं खुदरा व्यवसाय अर्थात रिटेल ट्रेड, व्यावसायिक वाहन के लिए लक्ष्य प्राप्त हुए हैं। योजना अंतर्गत उद्योग क्षेत्र के लिए 50 लाख रुपए तक तथा सेवा/ व्यवसाय हेतु 25 लाख रुपए तक की परियोजना लागत सीमा निर्धारित की गई है। जिसमें 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान प्रतिवर्ष की दर से 7 वर्षों तक देय होगा। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष और न्यूनतम आठवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। योजना अंतर्गत लाभ लेने हेतु इच्छुक पात्र व्यक्ति विभाग के पोर्टल www.samast.mponline.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करते समय आधार कार्ड, समग्र आईडी, फोटो, अंकसूची, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, परियोजना प्रारूप एवं कोटेशन इत्यादि संलग्न करना होंगे। इच्छुक आवेदक योजना की जानकारी के लिए कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र मंदसौर में संपर्क कर सकते हैं।

मुक्तिधाम परिसर में किया 101 पौधो का पौधरोपण

बिल्लोद, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बरसात के मौसम में केंद्र और राज्य सरकार तो वृक्षारोपण करने के लिए नए नए अभियान चलाए जा रहे हे जिसके चलते बिल्लौद में भी पण्डित दसरथ भाई जी की उपस्थिती में एवम् मुक्तिधाम

विकास समिती के माध्यम से ग्राम पंचायत द्वारा पौधरोपण किया गया जिसमे 101 प्रथम दिन लगाए गए जिसमे पीपल, नीम, गुल मोहर, जैसे छाया दार पोधे लगाए गए। व्रक्षारोपण की क्यों जरुरी हे और क्यों वृक्ष लगाकर बडे करने का जिम्मा लेना चाहिए जिस पर दशरथ भाई जी द्वारा विस्तृत में बताया समिति सदस्यों द्वारा एवम् ग्राम वासियों ने पौधा रोपण कर उनको बड़ा करने की जिम्मेदारी उठाई साथ में हल्का पटवारी सूरज शर्मा, जनपद सदस्य प्रतिनिधी विकास जैन, सरपंच प्रतिनिधी केशरीमल पाटीदार, पूर्व सरपंच नन्दलाल जैन, कालूराम सेन , समरथ पाटीदार, शंभूलाल सेन, महेश नाथ, विकास राठौर, बलराम सेन, रवि सेन आदि ग्रामवासी उपस्थित थे।

अरावली गौशाला में लगाएंगे 151 छायादार पौधे

मनासा/कुकड़ेश्वर, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अरावली गौशाला में पौधारोपण अभियान का श्री गणेश किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों द्वारा गौशाला परिसर में पांच पौधों का रोपण कर अभियान की शुरुआत की। इस वर्ष हरियाली अमावस्या तक गौशाला परिसर में 151 पौधों को लगाने का लक्ष्य अरावली गौ सेवा ट्रस्ट द्वारा लिया गया। साथ ही सभी नव रोपित पौधों की समुचित सुरक्षा जाली ट्रीगार्ड इत्यादि से कव्हर कर उन्हें पेड़ बनाने का संकल्प भी गौ सेवकों द्वारा लिया गया। नवरोपित पौधों को उपलब्ध कराने का कार्य स्वयंसेवक यश मौर्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर अरावली गौ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश राठौर, संघ के राजेंद्र भट्ट, विनोद जागोलिया, मुकेश कच्छावा, निर्मल चंद्रावत, हिमांशु गोस्वामी, अजय जागोलिया सहीत बड़ी संख्या में विवेकानंद शाखा के स्वयंसेवक उपस्थित थे।

कलेक्टर आज ई-जनसुनवाई करेंगे

नीमच, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन प्रति सप्ताह सोमवार को ई जनसुनवाई कर ग्रामीणों की समस्याओं से रूबरू होते हैं। इसी क्रम में आज सोमवार 8 जुलाई 2024 को कलेक्टर श्री जैन कलेक्टोरेट नीमच से वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिए मनासा विकासखंड की ग्राम पंचायत साकरियाखेड़ी, टामोटी, हनुमंत्या, पावटी, भदवास के ग्रामीणों से रूबरू होकर उनकी समस्याएं सुनेंगे और उनका निराकरण करेंगे। ई-जनसुनवाई सोमवार 8 जुलाई 2024 को प्रात: 10 बजे से होगी।

असम में बाढ़ ने मचाई तबाही, 58 लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली, 07 जुलाई । असम में बाढ़ ने तबाही मचा दी है। नदियां उफान पर हैं, इसलिए लोगों को घर से दूर आसरा लेना पड़ा है। अब तक 58 लोगों की जान बाढ़ के कारण जा चुकी है। काजीरंगा में बड़ी संख्या में जानवरों के मारे जाने की खबर है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से कहा गया कि एक महीने से असम बाढ़ से प्रभावित है। इस दौरान 58 लोगों की जान चली गई है। काजीरंगा में बड़ी संख्या में जानवरों के मारे जाने व घायल होने की खबर है। असम में बाढ़ का कहर तीन जिलों पर सबसे ज्यादा है। जिसमे धुबरी, कछार और दरंग शामिल है ।

जिला न्यायाधीश ने किया जिला जैल नीमच कनावटी में पौधारोपण

नीमच, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार पर्यावरण को संरक्षित करने के उद्देश्य से विश्व पर्यावरण दिवस से स्वतंत्रता दिवस दिनांक 15.अगस्त.2024 तक (72 दिवसीय) प्रदेशव्यापी वृहद वृक्षारोपण विशेष अभियान के क्रम में शनिवार को प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच अध्यशक्ष श्री सुशांत हुद्दार के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में जिला जेल नीमच कनावटी में वृहद पौधारोपण किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश श्री हुद्दार ने पौधारोपण किया किया कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश श्रीं आलोक कुमार सक्सेना, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती नजमा बेगम मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री आर. पी. अहिरवार एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती पुष्पा तिलगाम, श्री अंकित जैन श्री अभय प्रताप सिंह, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री हर्षित बिसेन एवं जेल अधीक्षक श्री यशवंत मांझी सहित जेल स्टाफ ने भी पौधारोपण किया।

दिनांक 08 जुलाई 2024

अपनी कुण्डली स्वयं देखे- ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ

क्या आप जानते है..?

*उत्तर दिशा की और मुख करके भोजन करने से घर मे धन की स्थिरता रहती है, ज्ञान वृद्धि होती है, तथा कुबेर जी की कृपा बनी रहती है। *पश्चिम की और मुख करके भोजन करने से मनुष्य के शरीर मे रोगों मे वृद्धी होती है तथा नकारात्मक ऊर्जा को बल मिलता है।

जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

साहित्य की रचना दिमाग से नहीं दिल से होती है-चन्द्रे

अभा साहित्य परिषद की रिमझिम काव्य गोष्ठी सम्पन्न

मंदसौर, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय साहित्य परिषद मंदसौर इकाई की रिमझिम काव्य गोष्ठी डॉ. निलेश नील एवं लायंस क्लब गोल्ड अध्यक्ष सीए सिद्धार्थ अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल, पं. देवेश्वर जोशी, शार्ट फिल्म निर्माता संजय भारती के विशेष आतिथ्य एवं शिक्षाविद् रमेशचन्द्र चन्द्रे की अध्यक्षता तथा महंत गोपाल बैरागी शास्त्री संगीत ज्ञाता ललित बटवाल, स्पीक मैके कोऑर्डिनेटर श्रीमती चंदा डांगी, दीपिका किशोरी गोधरा, श्री नरेन्द्र राणावत, विजय अग्निहोत्री, अनुष्का मांदलिया, राजकुमार अग्रवाल, प्रीति कुमावत, अजीजुल्लाह खान, डॉ. चंदवानी एवं चेतन व्यास के सानिध्य में सम्पन्न हुई। अतिथियों का स्वागत पुष्पमाला व श्रीफल से संस्था के पदाधिकारियों ने किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सीए सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा कि साहित्यकारों का साहित्य के प्रति रूझान से नगर में साहित्यिक माहौल बना है। जैसे डॉक्टर, सीए का एक दिवस मनाया जाता है वैसे एक दिन कवि दिवस के रूप में मनाना चाहिये। श्री चन्द्रे ने कहा कि दिमाग जो नकारात्मकता पैदा करता है उसी नकारात्मकता को दिल ही सकारात्मक साहित्य से सकारात्मकता की ओर ले जाता है क्योंकि साहित्य की रचना दिमाग से नहीं दिल से होती है। इस अवसर पर डॉ. घनश्याम बटवाल के कहा कि सुर से संगीत एवं शब्दों से साहित्य का सृजन होता है। दशपुर इन दोनों विधाओं में समृद्ध होता जा रहा है। इस अवसर पर जावरा के साहित्यकार मनोहरसिंह चौहान की पुस्तक श्री बटवाल को भेंट की गई। सरस्वती वंदना पश्चात् सभी कवियों ने रिमझिम काव्य गोष्ठी के अनुरूप कविताएं सुनाई।

देवेश्वर जोशी ने गीत हरे कच्छ खेतों में कॉस के दुकुल, तोड़ दिये नदियों ने संयमी उसूल सुनाया। नंदकिशोर राठौर ने तप से तपी धरा, आसमां समझ जा, बन के बूंद बूंद बदरा बरस जा सुनाई। नरेन्द्र राणावत ने घिर आये बदरा आये ना तुम कविता सुनाई। विजय अग्निहोत्री ने गीत रिमझिम रिमझिम पानी फुहार, धरती करती तेरा इंतजार सुनाया। अनुष्का मांदलिया ने झूमती हवा बादल ले आई, अठखेलियां करते घटा घिर आई कविता सुनाई। चंदा डांगी ने पोलीथीन में फूलों की माला उपयोग के बाद सडकों पर दोनों को फेंक देने का भाव वाली कविता सुनाई। दीपिका किशोरी ने बूंद बूंद भरा प्यार, वर्षा की पहली फूहार कविता सुनाई। ललित बटवाल ने शास्त्रीय संगीत पर आधारित वर्षा गीत श्याम धन आये बादल सुनाया। डॉ. निलेश नील ने अयोध्या को राम ने छोड़ा, पुन: अयोध्या पाने को काव्य गीत सुनाया। गोपाल बैरागी ने शिवना करे पुकार अब तो बरसो वर्षा रानी अब खत्म हो रहा मेरा भी पानी सुनाई। राजू अग्रवाल एवं चेतन व्यास ने सावन के गीत सुनाये। इस अवसर पर नरेन्द्र भावसार ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कविता कुत्तों को हड्डी आकर्षित करती कविता सुनाई और कहा कि अ.भा. साहित्य परिषद मालवा प्रांत इंदौर अध्यक्ष श्री त्रिपुरारीलाल शर्मा से प्राप्त निर्देशों के अनुसार परिषद के लोक व्यापीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत चार स्तर पर कहानी प्रतियोगिता का आयोजन 5 से 25 जुलाई तक किया जा रहा है। जिसके अनुसार कक्षा 8 से 12 के लिये 500 शब्द महाविद्यालय स्तर के लिये 1000 शब्द, गैर विद्यार्थियों के 30 वर्ष आयु तक 1200 शब्द एवं 30 से अधिक के लिये 1500 शब्दों से कहानी लेखन किया जा सकेगा। प्रत्येक स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय कहानियों का चयन कर चयनितों को 28 जुलाई को साहित्य परिषद के जिला सम्मेलन में पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे। अंत में आभार नन्दकिशोर राठौर ने माना।

डॉ.भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना अंतर्गत करें आवेदन

मंदसौर, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कार्यपालन अधिकारी अ.स.वि.स. मंदसौर ने बताया कि डॉ.भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के 18 वर्ष से 55 वर्ष की आयु वर्ग के अशिक्षित बेरोजगार युवक/युवतीयों को स्वयं का स्वरोजगार स्थापित करने हेतु इकाई लागत रु. 10000 हजार से रू 1 लाख तक का ऋण बैकों के माध्यम से वितरीत किये जायेंगे। जिस पर 07 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 05 वर्षों तक (मोरेटोरियम अवधि सहित) नियमित रूप से ऋण भुगतान (निर्धारित समय एंव राशि) की शर्त पर निगम द्वारा दिया जायेगा। गारंटी फीस म.प्र. शासन द्वारा देय होगी। आवेदन पत्र ऑनलाइन वेबसाईट - http://samast.mponline.gov.in पर भरे जा सकते है। विस्तृत जानकारी के लिये कार्यालय जिला अन्त्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्या. मन्दसौर संजय गांधी उद्यान के पास तथा दुरभाष क्र. 07422-241558 व 9584525557 पर भी सम्पर्क कर सकते है।

कश्मीर में कहर बनकर टूटे सुरक्षा बल, 6 आतंकियों को किया ढेर, 2 जवान भी शहीद

श्रीनगर, 07 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में चल रही दो अलग-अलग मुठभेड़ों में सुरक्षाबलों ने कम से कम छह आतंकवादियों को मार गिराया है। इस ऑपरेशन में दो जवान भी शहीद हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि रविवार 7 जुलाई को मुदरगाम मुठभेड़ स्थल पर एक और शव देखा गया। इसके बाद दोनों मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादियों की संख्या छह हो गई। आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक राष्ट्रीय राइफल्स के पैरा कमांडो लांस नायक प्रदीप नैन और हवलदार राज कुमार भी शहीद हो गए। कुलगाम जिले के दो गांवों चिन्नीगाम और मुदरगाम में शनिवार को मुठभेड़ शुरू हुई थी। इससे पहले, अधिकारियों ने बताया था कि चिन्नीगाम गांव में सुरक्षा बलों के साथ जारी मुठभेड़ में शनिवार को हिज्बुल मुजाहिदीन के एक कमांडर समेत चार आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने बताया, चिन्नीगाम गांव में अभियान अभी भी जारी है। दोनों मुठभेड़ स्थलों पर ड्रोन और अन्य निगरानी उपकरण तैनात किए गए हैं। सुरक्षा बलों को कुलगाम जिले में एक दूसरे से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मुदरगाम और चिन्नीगाम गांवों में आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। तभी सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई थी।

साध्वी समाहिता दीदी के सानिध्य में निकली सर्वधर्म जगन्नाथ जी की रथयात्रा

जगह-जगह महिलाओं व भक्तों ने उतारी आरती, पुष्प वर्षा से किया स्वागत, उमड़ा आस्था का जन सैलाब

नीमच, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। श्री जगन्नाथ जी रथ यात्रा समिति नीमच के तत्वावधान में जगन्नाथ पुरी उडीसा की जैसे नीमच में भी 7जुलाई रविवार को जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव जनप्रतिनिधियों ,जिला प्रशासन, एवं जन सहयोग से समाज जनों द्वारा अपार उत्साह के साथ मनाया गया।, कार्यक्रम में रथयात्रा समिति संयोजक राजेंद्र गर्ग पप्पी सर, संरक्षक शिवनारायण गर्ग , ओपी मंत्री, सुरेश चंद्र अजमेरा, संतोष चोपड़ा , ओम प्रकाश बंसल स्वतंत्र रोड लाइंस, शैलेंद्र गर्ग, सुरेश चंद्र अजमेरा, कमल गर्ग, मधुसूदन खंडेलवाल, राकेश भारद्वाज, प्रहलाद राय गर्ग, राजेश फरक्या, संतोष खंडूजा, दिलीप शर्मा एडवोकेट, मनोहर अर्जनानी, राजेश जायसवाल, जितेंद्र सोनी, हरभजन सिंह सलूजा ,मोहनलाल सैनी धन्नालाल पटेल ,रामप्रसाद चौधरी, राजेंद्र नरेडी सुनील काबरा कन्हैयालाल शर्मा, प्रकाश चंद्र गर्ग जेवी, मुरली मंडोवरा ,गणेश खंडेलवाल, अर्जुन जायसवाल, शैलेश जोशी, नवीन गह्वनी आदि सहित बडी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित थे । श्रद्धालु भक्तों ने दिव्य दर्शन एवं धर्म लाभ का पुण्य गृहण किया। श्री जगन्नाथ जी रथ यात्रा समिति नीमच के संयोजक राजेंद्र गर्ग पप्पी सर ने बताया कि 12वर्षों से यात्रा का आयोजन हो रहा है। सनातन धर्म के 19 समाजों की सहभागिता रही। 400 सक्रिय सदस्य सहयोग प्रदान किया। 400 अन्य सदस्य भी अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगी बने । जगन्नाथ पुरी उडीसा की तरह नीमच में शाम 5 बजे तिलक मार्ग स्थित श्री राम जी मंदिर से 14 दिन बीमार होम क्वारंटाइन रहने के बाद भगवान जगन्नाथ जी ने भक्तों के कष्ट सहन कर मंदिर के पट बंद हो जाने के बाद भगवान जगन्नाथ जीअपने भक्तों को दर्शन देने हेतु रथ पर सवार होकर भगवान श्री कृष्ण जी, बलदेव जी की बहन सुभद्रा जी के आकर्षक प्रतिमा के साथ अपने भक्तों के बीच फूलों से श्रृंगार के साथ दर्शन देने हेतु शहर की सडकों पर निकलें। रथ यात्रा में दीदी मां साध्वी ऋतंभरा जी की कृपा पात्र शिष्या साध्वी समाहिता दीदी वृंदावन मथुरा सहित कई साधु-संतों का मार्गदर्शन सानिध्य एवं आशीर्वाद मिला। यात्रा रात्रि9 बजे श्री अग्रसेन वाटिका नीमच पर आरती के साथ विश्राम हुई।

मायापुर का सुंदरबनी के कारीगर द्वारा पोशाक बनाने के बाद पहली बार सतरंगी सिर्फ वृंदावन से मंगवाया गया था । नए रथ पर सवार होकर भगवान जगन्नाथ जी दिव्य दर्शन के लिए निकलें ।रथ यात्रा में आकर्षण का केंद्र जगन्नाथ जी का रथ पर भगवान श्री कृष्ण जी बलदेव जी सुभद्रा जी नए रथ पर सवार आकर्षक प्रतिमा बैंड बाजे ढोल के साथ रथ को श्रद्धालु भक्तों द्वारा रस्सी से खींचा गया । रथ का फूलों से श्रृंगार , विद्युत चालित मनमोहक झांकियां, कच्छी घोडी,लेझम पार्टी,झंकार मजीरा पार्टी, उज्जैन के ताशा पार्टी, अघोरी बारात, नासिक के ढोल, शिवपुराण , बालाजी आर्ट के मुकेश माली द्वारा तैयार की गई राधा कृष्ण,रास लीला, हनुमान जी द्वारा सीता जी को मुद्रिका भेंट, यशोदा मैया द्वारा छाछ बिलोना की स्वचालित झांकियां आदि भी प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही। यात्रा आकर्षक दुधिया रोशनी से जगमगा रही थी।परम भगवान जगन्नाथ जीअपने दर्शन लाभ देने हेतु निकले तो नीमच शहर में शांति सुख समृद्धि का अनुभव हुआ। अग्रवाल समाज के नरसिंह मंदिर को मौसी का घर बनाया गया । भगवान जलपान करने के बाद भक्तों को दर्शन हेतु आगे बढें। रथ यात्रा श्री राम मंदिर जाजू बिल्डिंग तिलक मार्ग श्री राम चौक गोपाल मंदिर नरसिंह मंदिर बारादरी चौराहा, फव्वारा चौक , सब्जी मंडी चौराहा, कमल चौक , भारत माता चौक, पुस्तक बाजार होते हुए अग्रसेन वाटिका पर आरती के बाद विसर्जित हुई। आरती के बाद प्रसाद वितरण हुआ। रथ यात्रा में अग्रवाल स्वर्णकार, माहेश्वरी , खंडेलवाल , सकल ब्राह्मण, पोरवाल , पूज्य सिंधी पंचायत ,पंजाबी , पाटीदार ,जायसवाल , सिख, फुल माली सैनी , विश्व हिंदू परिषद ,बजरंग दल, पाटीदार, साहू तेली , सेन , आर्य , यादव , राजपूत , जाटव , घाणीवार तेली , माली , चौरसिया , धाकड ,गुजर आंजना ,प्रजापति , समाज धोबी समाज एवं समस्त धार्मिक संगठन धार्मिक अनुषांगिक संगठन एवं समस्त सनातन धर्म सर्वजन सर्व समाज जन सहित 19 समाजों के सहयोग से निकाली गई। बडी संख्या में श्रद्धालु भक्त धार्मिक यात्रा में सहभागी बने और सामाजिक एकता प्रेम सद्भाव प्रदर्शित किया। भगवान जगन्नाथ जी रथ का मार्ग में अग्रवाल समाज नीमच,वस्त्र व्यवसाय कल्याण समिति, जिला मंडल, सकल ब्राह्मण कल्याण समिति पदाधिकारीयों द्वारा आरती एवं पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

सामाजिक एकता के बिना राष्ट्र का विकास नहीं हो सकता–नरसिंहमंदिर पर अपने संबोधन में साध्वी समाहिता श्री जी ने कहा कि सर्व वर्गों में सामाजिक एकता के बिना राष्ट्र का विकास नहीं हो सकता है। मालवा की लाल माटी की पावन धरा क्रांतिकारी शहीदों की भूमि रही है यहां पर सनातन धर्म की एकता देखकर बहुत प्रसन्नता हुई।

राज्यसभा सांसद बाल योगी श्री उमेशनाथ महाराज आज भगवान पशुपति नाथ के दर्शन करेंगे

मंदसौर, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय संत बाल योगी श्री उमेशनाथ जी महाराज राज्यसभा सांसद बनने के बाद आज 8 जुलाई सोमवार को भगवान पशुपति नाथ की नगरी मंदसौर आगमन हो रहा है ।आप प्रात: 11:15 बजे भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन एवं पूजन अर्चन करेंगे और भक्तों से चर्चा करेंगे। तत्पश्चात आप यहां से भीलवाड़ा के लिए निर्धारित कार्यक्रम हेतू प्रस्थान करेंगे। इस आशय की जानकारी देते हुए नेशनल मीडिया फाउंडेशन के प्रांतीय अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल ने समस्त भक्तजनों से अनुरोध किया कि राज्यसभा सांसद , राष्ट्रीय संत श्री बाल योगी उमेश नाथ जी महाराज के आज मंदसौर आगमन के दौरान भगवान श्री पशुपति नाथ मंदिर परिसर में प्रात 11.15 बजे श्री शिवदर्शनलाल अग्रवाल धर्मशाला पर उपस्थित होए, वहा से सभी गुरुजी के साथ भगवान श्री पशुपति नाथ के दर्शन एवं पूजन अर्चन करने हेतू चलेंगे और पशुपतिनाथ मंदिर में संत श्री से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त करें।

पौधरोपण की अपेक्षा कम खर्चीला है सीड बाल से पौधे उगाना- श्रीमती सिसौदिया

मंदसौर, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। विगत दिन कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने शिक्षा विभाग के सभी कर्मचारियों को अधिक से अधिक पौधे लगाने का निर्देश दिया था। माध्यमिक स्कूल की आदर्श शिक्षिका श्रीमती ललिता सिसोदिया ने निर्देश अनुसार सीड बाल से पौधे लगाने फैसला किया. और स्कूल बचों पढाई के पश्चात वह जनता को पौधे लगाने के लिए जागरूक भी कर रही है. और सीड बाल पौधे जानकारी आमजन से साझा कर रही। श्रीमती सिसौदिया ने बताया कि पौधारोपण की अपेक्षा सीड बाल से पौधे उगाने की तकनीक कम खर्चीली है। स्कूल परिसर, छात्रावास, गौशाला. तथा अन्य चिन्हित जमीन पर बारिश से पहले गड्ढे खुदवाते है फिर उनमें मिट्टी मिली हुई खाद डाली जाती है। इसके बाद बारिश में पौधरोपण होता है। इसकी अपेक्षा सीड बाल को सीधे जमीन में डाल दिया जाता है और पौधे आसानी से रोपित हो जाते हैं।

ऐसे तैयार होता है सीड बाल– आदर्श शिक्षिका श्रीमती ललिता सिसौदिया बताया कि इस तकनीक के बारे में कोरोना के समय मंदसौर के एक अधिकारी ने मीटिंग से जानकारी ली गई थीं। सीड बाल टेक्नोलॉजी से बीज में नमी को लंबे समय तक बनाए रखना संभव होगा और इससे बीज के अंकुरण की क्षमता भी बढ़ेगी। सीड बाल गीली मिट्टी, केंचुआ खाद, अन्य खाद, धान की भूसी व सरसों की खली से तैयार होती है। सभी चीजों को मिलाकर इसे गेंद की तरह बनाकर अंदर बीज डाल दिया जाता है फिर इसे धूप में सुखाकर भंडारित किया जाता है। बारिश शुरू होते ही इसे पौधरोपण करने वाली जगह फेंका जाता है।

उब्बड़-खाबड़ जमीन पर आसानी से रोपित होंगे पौधे –जहां की जमीन उब्बड़-खाबड़ है और वहां गड्ढे भी नहीं खोदे जा सकते। वहां पर यह तकनीक पौधरोपण में खासी कारगर साबित हो सकती है। सिर्फ एक श्रमिक द्वारा सीड बाल को जमीन में फेंककर पौधे उगाए जा सकते हैं।

कोरोना के समय जिला मीटिंग में मिली थी तकनीक की जानकारी– आदर्श शिक्षिका श्रीमती ललिता सिसौदिया बताया कि हमारे यहां हर साल पौधरोपण तो होता है लेकिन यह काम काफी खर्चीला होता है। हमें कोरोना के समय जिला के अधिकारी ने मीटिंग में जानकारी मिली कि सीड बाल तकनीक से कम खर्च में पौधे उगाए जा रहे हैं। इस पर तकनीक की जानकारी लेकर हमने सीड बाल तकनीक से करीब आठ हजार पौधे उगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। जिसका कार्य प्रतिदिन जारी है. और पिछले वर्ष सात हजार सीड बाल बनाकर लोगों वितरित किए थे।

वन महोत्सव पर 125 पौधारोपण

पिपलियामंडी, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शनिवार 7 जुलाई को कबीर इंटरनेशनल स्कूल में वन महोत्सव मनाया गया ।वन महोत्सव पेड़ो के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोगो को पर्यावरण संरक्षण प्रयासों मे अधिक सक्रिय होने के लिए प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है ।

इसी को ध्यान में रखते हुए कबीर इंटरनेशन स्कूल में कक्षा पहली से दसवीं तक के छात्र-छात्राओं द्वारा 125 पोधो का पोधारोपण किया गया । कार्यक्रम मे विद्यालय के डायरेक्टर डॉक्टर कमलेश जी पमनानी ने बच्चो को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि ग्लोबल वार्मिंग के दुष्परिणामों को कम करने के लिए उच्च स्तर पर पौधारोपण करके हम जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने, पर्यावरण की रक्षा करने और मानव कल्याण को बढावा देने में मदद कर सकते है। इससे प्रभावित होकर सभी ने मिलकर यह शपथ ली कि हम सभी आज एक-एक नया वृक्ष अपने घर पर भी लगाएंगे। इस अवसर पर विद्यालय की मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमति कोमल परमार एवम समस्त शिक्षक -शिक्षिकाऐ उपस्थित रहे।

ज्ञानदासजी महाराज का स्वागत किया

मंदसौर, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा व नरसिंगपुरा कुमावत के वर्तमान व पूर्व वरिष्ठ पदाधिकारिगणों ने कुमावत धर्मशाला रामटेकरी मंदसौर पर विगत दिवस श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी श्री ज्ञानदासजी महाराज कुलगुरु कुमावत समाज भारत श्री पंच निर्मोही अखाड़ा, श्री दादुराम आश्रम उज्जैन का भगवान पशुपतिनाथ की नगरी आगमन पर कुमावत समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी व निःस्वार्थ समाज की सेवा करने वाले महानुभावों की अगुवाई में अति उत्साह के साथ कुलगुरु कुमावत समाज का आत्मीय स्वागत किया गया। कुलगुरु ने कुमावत समाज के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों व नरसिंहपुरा के सम्मानीय बंधुओं को आशीर्वाद दिया।

✻ उठावना ✻

अत्यंत दु:ख के साथ सुचित करने में आता है कि स्वर्गीय श्री अंबालाल जी गुप्ता के जेष्ठपुत्र व ओमप्रकाश, सूर्य प्रकाश ,स्वर्गीय रवि प्रकाश जी ,दयानंद, वेद प्रकाश के बड़े भाई साहब व प्रमोद के पिता जी व सार्थक के दादा जी श्री बंसीलाल जी गुप्ता एडवोकेट का दिनांक 06/07/2024 शनिवार को स्वर्गवास हो गया था जिनका उठावना दिनाक 08.07.2024 सोमवार को प्रात: 11:00 बजे जैन स्थानक, गोवर्धननाथ मंदिर के सामने, गली नं. 3,जीवागंज मंदसौर में रखा गया हैं।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻

समस्त गुप्ता परिवार

जीवागंज मंदसौर

9425977571, 9407436184, 9131059057

विकास सूर्यवंशी बने शिवसेना मप्र के मंदसौर युवासेना जिला प्रमुख

मंदसौर, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। हिंदू हृदय सम्राट शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के आशीर्वाद से शिवसेना पक्ष प्रमुख उद्धव साहेब ठाकरे, युवासेना प्रमुख आदित्य साहेब ठाकरे, व राष्ट्रीय नेतृत्व के आदेशानुसार शिवसेना मध्यप्रदेश राज्य प्रमुख सुनिल जी शर्मा , युवासेना राज्यप्रमुख प्रभात पुरानिया, प्रदेश संगठन प्रमुख सुरेश जी करिया, उपराज्य प्रमुख रघुवीर बैरागी, नवीन कुमार जी ओझा मालवा प्रांत प्रभारी अनिल जी जोशी संभाग प्रभारी पप्पू जी तिवारी रघुवीर जी बेरागी, प्रदेश सचिव महेश शर्मा युवा सेना प्रदेश सचिव रवि राठौड़, आईटी सेल राज्य प्रमुख नाहर सिंह गौड द्वारा विकास सूर्यवंशी को शिवसेना युवासेना मंदसौर जिला प्रमुख के पद पर नियुक्त किया गया। शिवसेना मध्य प्रदेश परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है व आपसे अपेक्षा करती है आप धर्म हित में राष्ट्रहित में समाज व संगठन हित में कार्य करने के लिये सदैव तत्पर व अग्रणी रहेंगे।

उत्तराखंड में भारी बारिश की आशंका, रोकी गई चार धाम यात्रा

नई दिल्ली, 07 जुलाई। जुलाई में मानसून देश के कई हिस्सों में मेहरबान है। साथ ही कुछ हिस्सों में आफत बन चुका है। पहाड़ी क्षेत्रों में हालत ज्यादा खराब है जहां भूस्खलन के कारण राजमार्ग बंद हो गए हैं। इसके साथ ही कुछ क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात भी बन गए हैं। मौसम विभाग की मानें तो अगले दो से तीन दिन तक उत्तर पश्चिम भारत और उत्तर पूर्वी भारत में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश जारी रहेगी।

चारधाम यात्रा पर संकट– उत्तराखंड में जारी भारी बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए चारधाम यात्रा को स्थगित कर दिया गया है। मौसम विभाग ने राज्य में अत्यंत भारी बारिश का अलर्ट भी जारी किया है। अधिकारियें ने ऋषिकेश और विकासनगर प्रशासन को तीर्थ यात्रियों को चारधाम यात्रा के लिए रवाना न करने के लिए कहा है।

दो लोगों की मौत– भारी बारिश के बीच उत्तराखंड में भारी भूस्खलन की घटनाएं भी देखने को मिली है। चमोली में शनिवार को बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर पहाडी से गिरे पत्थर की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, केदारनाथ मार्ग पर रुद्रप्रयाग में डोलिया देवी के समीप 20 घंटे तक 3,000 तीर्थयात्री फंस गए। भूस्खलन के कारण 300 से अधिक गांवों से संपर्क कट गया है।

बारिश और भूस्खलन के कारण ऐसे हैं हाल–✻भूस्खलन के कारण गंगोत्री राजमार्ग बंद। ✻ यमुनोत्री राजमार्ग भी घंटो रहा बाधित ✻ भूस्खलन के बाद फंसे 1000 तीर्थयात्री। ✻ रुद्रप्रयाग में बढ़ा नदियों का जलस्तर ✻ अलकनंदा व मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर।

अमरनाथ यात्रा भी स्थगित– गौरतलब है कि इससे पहले भारी बारिश के कारण पहलगाम व बालटाल मार्ग से जाने वाली अमरनाथ यात्रा को भी स्थगित कर दिया गया था। मौसम साफ होने के बाद ही श्रद्धालुओं को रवाना किया जाएगा।

यहां होगी भारी से बहुत भारी बारिश–मौसम विभाग के अनुसार आज आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक, तटीय कर्नाटक, मध्य महाराष्ट्र,उड़ीसा के कुछ क्षेत्र और पूर्वी राजस्थान में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। जबकि, असम और मेघालय में 9 और 10 जुलाई को, अरुणाचल प्रदेश में 10 जुलाई तक भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।

4 लाख रू की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मंदसौर, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। विद्युत करण्ट से मृत्यु हो जाने पर मृतक के निकटतम वारिस को राजस्व पुस्तक परिपत्र कण्डिका 2(1) के तहत आर्थिक सहायता देने का प्रावधान है। जिसके तहत निवासी असावती तहसील शामगढ़ के नानूराम बलाई की विद्युत करण्ट से मृत्यु होने पर मृतक के निकटतम वारिस को 4 लाख रूपये की आर्थिक मदद मंजूर की गई है।

देवस्थान भूमि को फसल के लिए लीज पर लेने के लिए नीलामी 11 जुलाई को

मंदसौर, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। तहसीलदार तहसील मंदसौर नगर द्वारा बताया गया कि मंदसौर स्थित देवस्थान श्री राम मंदिर रामटेकरी मंदसौर की कस्बा मंदसौर में भूमि वर्ष 2024-25 के लिए फसल के लिए नीलामी 11 जुलाई 2024 को प्रात: 12 बजे की लगाई जाएगी। इच्छुक व्यक्ति नीलामी में हिस्सा लेने के लिए 25 हजार रूपये नीलामी पूर्व नगद जाम करवाकर बोली में हिस्सा ले सकते है।

अवैध 400 क्वार्टर देशी शराब ले जाते हुए एक आरोपी गिरफ्तार , तीन फरार

रतलाम, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले में अवैध शराब की धर पकड़ के लिए पुलिस विभाग द्वारा चलाये जा रहे अभियान के बीच पुलिस को बडी सफलता मिली। पुलिस ने मुखबिर की सुचना पर दो पहिया वाहन से अवैध शराब ले जाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वही तीन आरोपी फरार चल रहे है। जानकारी के अनुसार आलोट पुलिस ने मुखबीर सूचना पर ग्राम खजुरी सोलंकी मे नाकाबंदी कर वाहनों की चेकिंग शुरू की ,इस दौरान मोटर सायकल से आ रहे दो युवको को रोके जाने पर दोनो युवक मोटर सायकल पर रखे सफेद कट्टेमे भरे माल को छोडकर भागे जिनमे से पीछे बैठे व्यक्ति प्रेमसिंह पिता बगदुसिंह जाति सो. राजपुत उम्र 21 साल निवासी लसुडिया गोयल थाना झार्डा जिला उज्जैन को पुलिस ने पकड लिया।

वही मोटर सायकल का चालक अंधेरे का फायदा वाहन छोड़कर भाग गया। पकडे गये व्यक्ति से सफेद कट्टे मे भरे 400 क्वाटर देशी प्लेन शराब के कुल 72 बल्क लिटर कीमती 28000 रुपये व साथ ही शराब परिवहन मे उपयोग की गई होन्डा शाईन मोटरसायकील क्र. एमपी 70 एक्सवी 1323 को जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर पुछताछ की जिसके द्वारा भागने वाले आरोपी का नाम गजेन्द्रसिंह जाति सो. राजपतु निवासी ढोढर थाना बडोद होना बताया। गिरफ्तार आरोपी प्रेमसिंह ने बताया कि उक्त शराब उसने विजेन्द्र सिंह निवासी आमलिया थाना बडोद जिला आगर मालवा से खरीदी थी। वही उक्त शराब सुमेर सिंह निवासी कलसिया बडा गावं थाना आलोट को बेचना बताया गया है। जिसके बाद पुलिस अन्य आरोपियो के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। प्रेमसिंह पिता बगदुसिंह जाति सो. राजपुत उम्र 21 साल निवासी लसुडिया गोयल थाना झार्डा जिला उज्जैन को गिरफ्तार किया है तथा गजेन्द्रसिंह जाति सो. राजपतु निवासी ढोढर थाना बडोद , सुमेर सिंह जाति सो. राजपतु निवासी कलसिया बडा गावं धाना आलोट , विजेन्द्रसिंह जाति सो. राजपतु निवासी आमलिया थाना बडोद जिला आगर मालवा फरार है ।

आध्यात्मिक चेतना अभियान की संगोष्ठी सम्पन्न

मंदसौर, 07 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा श्री ऋषियानंद आश्रम पर आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिन्दी साहित्य संस्थान के अध्यक्ष श्री कृष्णकुमार जोशी ने कहा कि सतत आत्म अवलोकन व सुधार की भावना से जीवन का परिष्कार होता है। आपने कहा कि जन्म के समय शिशु पवित्र एवं निरापद रहता है किन्तु उम्र के साथ उसके जीवन मे सांसारिक प्रवृत्तियां जुड जाती है। जो व्यक्ति जाने अनजाने जीवन से जुडी बुराईयो को तिरोहित करना चाहता है वह सतत् आत्म अवलोकन एवं प्रभु भक्ति के माध्यम से अपने जीवन का परिष्कार करे। श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि परमपिता परमेश्वर परब्रह्म श्रीकृष्ण की आराधना से जीवन मे आत्म कल्याण की राह सहज हो जाती है। साथ ही व्यवहार जीवन मे सुख शांति एवं आनन्द का अनुभव होता है। श्रीकृष्ण का जीवन मानव मात्र के लिये प्रेरणादायी है। संघर्ष मे समभाव, व्यवहार मे मैत्री भाव, चुनौती मे प्रखरता और ज्ञान मे परिपक्वता उनके जीवन की प्ररेणा है। उन्होने अपने जीवन व्यवहार के माध्यम से मानव जीवन का ध्येय और उसकी प्राप्ति के लिये अपेक्षित आचरण का बोध कराया। गीता का ज्ञान संसार के ज्ञान कोष का महत्वपूर्ण भाग है। साहित्यकार श्री गोपाल बैरागी ने कहा कि जो अपने कर्तव्य का निष्ठा व ईमानदारी से पालन करता है वही सबसे बडा भक्त होता है और प्रभु कृपा अर्जित करता है। आपने कहा कि सामान्य गृहस्थ जीवन मे भी सदाचरण के माध्यम से प्रभु भक्ति की जा सकती है। श्री राजकुमार जसवंत, श्री राजेन्द्र तिवारी, श्री नरेन्द्रपालसिंह राणावत, श्री अभय कुमार जैन एवं डॉ.प्रकाश चंदवानी ने विचार, भजन एवं गीत के माध्यम से प्रस्तुति दी। श्री यशवंत प्रजापति ने शुभ सन्देश का वचन किया। श्री कन्हैयलाल पण्ड्या, श्री मोहनसिंह चैहान, श्री विनोद नराणिया, श्री प्रहलाद मालवीय, श्री नरेन्द्र खण्डेलवाल, श्री धर्मेन्द्र चैहान ने संवाद मे सहभागिता की। ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ . रविन्द्र जोशी एवं आध्यत्मिक चेतना अभियान के संयोजक श्री विनोद शर्मा एडवोकेट ने स्वागत किया। संचालन श्री रमेश ब्रिजवानी ने व आभार प्रदर्शन श्री प्रकाश कल्याणी ने किया।

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

कार्यालय में ऑफिस बॉय की आवश्यकता है।

वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356

समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in